RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:191 ता. 16 जनवरी 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सेना के जांबाजों ने हर भूमिका में किया प्रभावित : पीएम मोदी

नई दिल्ली। 15 जनवरी को भारतीय सेना का 76वां सेना दिवस है। भारतीय सेना इसे राष्ट्र की अखंडता की रक्षा के अटूट संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ मनाती है। सेना का कहना है कि इस दिन हम अपने उन बहादुर जवानों को भी याद करते हैं जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर भारतीय सेना को सेना दिवस की बधाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा,भारतीय सेना के वीर साथियों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बल के वीर एवं वीरांगनाओं के अदम्य साहस, सेवा एवं समर्पण पर राष्ट्र को गर्व है। चाहे बाहरी खतरों एवं आंतरिक चुनौतियों से दृढ़ता से निपटना हो या फिर आपदा के समय मदद का हाथ बढ़ाना हो, सेना के जांबाजों ने अपनी हर भूमिका में प्रभावित किया है। भारतीय सेना ने एक संगठनशील एवं अनुशासनप्रिय बल के रूप में विश्व में

विशिष्ट पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना बदलते युग की चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने को लेकर सजग है और आज देश भी सभी सुविधाओं एवं संसाधनों समेत अपने सैन्य वीरों के साथ खड़ा है। सेना दिवस के अवसर पर उन सभी वीर शहीदों को राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने देश की सेवा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया। हमारे इन जांबाज साथियों एवं इनके परिवारों के त्याग एवं तपस्या को देश नमन करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा,भारतीय सेना के वीर साथियों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बल के वीर एवं वीरांगनाओं के अदम्य साहस, सेवा एवं समर्पण पर राष्ट्र को गर्व है। चाहे बाहरी खतरों एवं आंतरिक चुनौतियों से दृढ़ता से निपटना हो या फिर आपदा के समय मदद का हाथ बढ़ाना हो, सेना के जांबाजों ने अपनी हर भूमिका में प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि अमृत कालखंड में एक भव्य और विकसित भारत के निर्माण की ओर राष्ट्र तेजी से अग्रसर है। भारतीय सेना के वीर साथी देश को सुरक्षा एवं स्थिरता प्रदान करते हुए राष्ट्र निर्माण के संकल्प में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि सामूहिकता की शक्ति से ऊर्जित राष्ट्र प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। बल के शूरवीर अपनी सेवा, निष्ठा एवं समर्पण से मां भारती का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहेंगे।

वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय थल सेना दिवस' की सभी बहादुर सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हर भारतवासी सेना के साहस, शौर्य और पराक्रम से न केवल परिचित है बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी रखता है। भारतीय सेना ने सदैव देश रक्षा की है और इसके लिए अनगिनत बलिदान भी दिए हैं। सभी देशवासियों की ओर से भारतीय सेना को मेरा नमन एवं अभिनंदन।

उद्धव के बाद अब कांग्रेस? एकनाथ शिंदे ने दिए बड़ी प्लानिंग के संकेत, बोले- पिक्चर बाकी है

मुंबई। कांग्रेस का दशकों पुराना साथ छोड़ महाराष्ट्र के दिग्गज नेता मिलिंद देवड़ा अब शिवसेना में शामिल हो चुके हैं। इस सियासी उथल पुथल के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस में बड़ी फूट के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि कई और नेता भी शिवसेना का दामन थाम सकते हैं। देवड़ा ने कांग्रेस में माहौल खराब होने की बात कही थी।

अब कांग्रेस की बारी?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीएम शिंदे ने रविवार को कह दिया, यह तो ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।% इधर, दावे किए जाने लगे हैं कि अब मुंबई कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष नसीम खान भी पार्टी से नाता तोड़ सकते हैं। हालांकि, टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में खान ने साफ किया है, मैं शिवसेना में शामिल नहीं हो रहा हूं...। मैं कांग्रेस के साथ हूं और पार्टी छोड़ने का कोई सवाल नहीं है। माना जा रहा है कि देवड़ा का जाना कांग्रेस को बड़ी चोट दे सकता है। कयास लगाए जाने लगे हैं कि मुंबई कम से कम 10 पूर्व पार्षदों के साथ-साथ दक्षिण मुंबई के कई नेता शिवसेना का दामन थाम सकते हैं। ऐसा भी माना जाता है कि मुंबई कांग्रेस की कमान वर्षा गायकवाड़ के हाथ में आने के बाद से ही कांग्रेस के कुछ नेता नाखुश थे।

जब टूटी शिवसेना

20 जून 2022 को शिंदे ने तब की अविभाजित शिवसेना के कई विधायकों के साथ मिलकर पार्टी प्रमुख और तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इस फैसले के साथ ही राज्य में महाविकास अघाड़ी यानी तीन मुख्य पार्टियों शिवसेना-कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की गठबंधन की सरकार टूट गई थी।

उद्धव के खिलाफ बगावत पर क्या बोले शिंदे

उन्होंने उद्धव की अगुवाई वाली एमवीए सरकार को हटाए जाने को सबसे बड़ा ऑपरेशन करार दिया था। उनका कहना है, एक इंजेक्शन का भी इस्तेमाल नहीं करना पड़ा और यह बहुत बड़ी सफलता थी। उन्होंने कहा, बीते डेढ़ सालों में मैंने कभी भी छुट्टी नहीं ली। मैं जब अपने घर गया था, तब समय बचाने के लिए हेलीकॉप्टर से गया। मैंने वहां खेत में काम किया और फोटोग्राफी में समय नहीं बिताया।%

गंगा सागर में मकर संक्रांति पर पुण्य स्नान का शुभ मुहूर्त शुरू, उमड़ा जनसैलाब

कोलकाता। गंगा सागर में मकर संक्रांति पर पुण्य स्नान का शुभ मुहूर्त शुरू होते ही सोमवार सुबह जनसैलाब उमड़ पड़ा। मेला क्षेत्र तीर्थयात्रियों से खचाखच भरा हुआ है। यह वही स्थान है जहां त्रेता युग में जिस सागर तट पर स्वर्ग से उतरीं मां गंगा ने राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को मकर संक्रांति पर स्पर्श कर मोक्ष प्रदान किया था। मकर संक्रांति पर पुण्य स्नान का शुभ मुहूर्त सोमवार सुबह 7ः19 शुरू हुआ है। यह दोपहर 12.30 बजे तक रहेगा। पुण्य स्नान की कुल अवधि 5.30 घंटे की है। महापुण्य स्नान की कुल अवधि एक घंटा 43 मिनट बताई गई है। मगर सवेरे छह बजे से ही श्रद्धालुओं ने गंगा और सागर के संगम पर डुबकी लगानी

शुरू कर दी थी। कपिल मुनि आश्रम के महंत ज्ञानदास ने बताया कि रविवार रात से ही मकर संक्रांति शुरू हो गई थी। सोमवार सुबह छह बजे से देश-दुनिया से पहुंचे लाखों लोगों के अलावा नागा, नाथ और अन्य संप्रदाय के साधुओं ने मोक्ष की आस में डुबकी लगाई। गंगा सागर मेला क्षेत्र में सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया है। पुलिस, सिविल डिफेंस, होमगार्ड समेत नेवी और कोस्ट गार्ड के 10 हजार से अधिक जवान चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार इस साल 35 लाख से अधिक श्रद्धालु सागर तट पर पुण्य स्नान के लिए पहुंचे हैं। पिछले साल 30 लाख लाख लोगों ने डुबकी लगाई थी।

कर्नाटक के कई दिग्गज नहीं लड़ेंगे इलेक्शन, मल्लिकार्जुन खरगे भी ले सकते हैं चुनावी संन्यास

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ही विपक्षी गठबंधन ढ्ढष्ठढ्ढ का अध्यक्ष बनाया गया है। यह भी कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार ने संयोजक का पद इसलिए नहीं स्वीकार किया क्योंकि उन्हें गठबंधन का अध्यक्ष नहीं बनाया गया और प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया गया। अब रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि हो सकता है कि मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा चुनाव ना लड़ें। हालांकि वह चुनाव प्रचार में ऐक्टिव रहेंगे।

81 साल के मल्लिकार्जुन खरगे और एचडी देवगौड़ा दोनों ही 2019 में लोकसभा का चुनाव हार गए थे। खरगे कालाबुरगी से और देवगौड़ा तुमाकुरु सीट से उतरे थे। इसके बाद ये दोनों ही राज्यसभा गए। अब दोनों

ने ही अपनी बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उनका कहना है कि बढ़ती उम्र के चलते वे लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ना चाहते। बीते साल फरवरी में भाजपा के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा ने भी ऐलान किया था कि वह चुनावी राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। इसके अलावा भाजपा सांसद श्रीनिवा प्रसाद, जीएस सासवाराजू ने भी चुनाव ना लड़ने की बात कही थी। अभी यह नहीं पता है कि डीवी सदानंदगौड़ा (70साल), रमेश जिगाजिनागी (71 साल) और जीएम सिद्धेश्वरा (71 साल)चुनावी मैदान में उतरेंगे या नहीं।

बता दें कि बेंगलुरु में मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कहा था कि वह अब चुनाव नहीं लड़ना चाहते। हालांकि वह बीजेपी-जेडीएस के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा था कि जेडीएस और भाजपा के उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। बता दें कि कल्याण-कर्नाटक इलाके में खरगे बड़े राजनीतिक चेहरे हैं। अब वह इंडिया गठबंधन के अध्यक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। खरगे की पकड़ अल्पसंख्यक और ओबीसी वोटों पर अच्छी है। उन्होंने खुद को दलित समुदाय के लिए लड़ने वाला भी साबित किया है। ऐसे में मल्लिकार्जुन खरगे चुनाव प्रचार में बड़ी भूमिका निभाएंगे। विपक्षी गठबंधन के दल भी उनकी मदद चुनाव प्रचार में ले सकते हैं।

मंदिरों के संचालन में हर जाति-बिरादरी की सहभागिता हो : विहिप

अयोध्या। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा है कि हिंदू मंदिरों के संचालन में हर जाति-बिरादरी की सहभागिता होनी चाहिए। साथ ही सभी मंदिरों को सरकारी से नियंत्रण से मुक्त होना चाहिए। इसके लिए विहिप देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से चर्चा में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि विहिप की स्थापना के 60 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसलिए श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद संगठन विस्तार के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सेवा के कार्यों पर विहिप फोकस करेगी। संगठन का प्रयास है कि हम अपने काम को जन्माष्टमी तक एक लाख स्थानों तक लेकर जाएं। बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त जनजागरण और संपर्क से संगठन विस्तार में मदद मिलेगी।

मिलिंद परांडे ने कहा कि संगठनात्मक दृष्टि से 1100 जिए बनाए गए हैं। अभी हमारे सेवा कार्य 400 जिलों तक पहुंचे हैं। इसे जल्द ही 800 जिलों तक पहुंचा जाएगा। आगामी वर्षों में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के प्रयास करेंगे, क्योंकि यह हिन्दुओं के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार है। कोई मस्जिद और चर्च सरकारी नियंत्रण में नहीं हैं। हिन्दू मंदिरों का संचालन

हिन्दू समाज को ही करना चाहिए। इसमें हर-जाति बिरादरी की सहभागिता हो और हिन्दू का धन हिन्दू के लिए उपयोग में आए।

मायावती के जन्मदिन पर सीएम योगी ने फोन कर पूछा हालचाल, अखिलेश ने भी दी बधाई

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आज अपना 68 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्हें प्रदेश और देश की तमाम बड़ी हस्तियों ने बधाई और शुभकामना संदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मायावती से फोन पर बात कर उन्हें बधाई दी है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसपा सुप्रीमो मायावती से फोन पर बात की। इस बातचीत में उन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और कुशलक्षेम पूछा। सीएम योगी ने बसपा सुप्रीमो मायावती के दीर्घायु होने की कामना की। एक्स पर एक पोस्ट में मायावती को

जन्मदिन की बधाई देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा- बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! ईश्वर से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना है।

वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मायावती को जन्मदिन की बधाई दी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा-उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

गठबंधन पर ऐलान कर सकती हैं मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती आज का 68वां जन्मदिन मना रही हैं। बसपा भी उनके जन्मदिन को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मना रही है। इस मौके पर पार्टी की ओर से जारी बयान में मायावती को सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति आन्दोलन की महानायिका बताया गया है। बताया जा रहा है कि मायावती आज पार्टी का मोबाइल एप भी लांच कर सकती हैं। सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर होने वाली प्रेसवार्ता में मायावती आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन के बारे में बसपा के रुख का खुलासा कर सकती हैं।

दिल्ली में सबसे ठंडी सुबह और फिर चटक धूप ने चौंका दिया, आगे कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण ठंड से कंपकंपा रहे लोगों के लिए मकरसंक्रांति राहत लेकर आया है। करीब 15 दिनों बाद दिल्ली में सुबह ही धूप खिल गई। हालांकि, धूप निकलने से पहले पारा इस सीजन में सबसे कम स्तर पर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में न्यूनतम पारा 3.3 डिग्री सेल्सियस रहा। एक दिन पहले रविवार को सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम है। दिल्ली में लोधी रोड में सबसे कम तापमान 3.4 डिग्री दर्ज किया गया।

दिल्ली को लगातार चार दिनों तक कोल्डवेव का सामना करना पड़ा है। चारों दिन पारा 4 डिग्री से कम रहा है। शनिवार को 3.6 और शुक्रवार को 3.9 डिग्री था। कोल्डवेव की

घोषणा तब की जाती है जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 4 या अधिक डिग्री कम होता है। मौसम विभाग का कहना है कि आसमान साफ होने की वजह से कोल्डवेव की स्थिति बनी है। बादलों की गैरमौजूदगी में दिन कुछ गर्म होते हैं और रात को इसमें तेजी से गिरावट आती है जिससे तापमान गिरता है। रविवार को अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि सामान्य से एक डिग्री अधिक है।

ठंड से राहत के आसार नहीं-दिन में धूप खिलने से राहत जरूर मिली है, लेकिन रात और सुबह ठंड अभी बरकरार रहेगी। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से कम ही बने रहने की संभावना जताई गई है।

ट्रेन और विमानों की आवाजाही पर बुरा असर

दिल्ली-एनसीआर में प्रचंड ठंड के साथ रात और सुबह कोहरा भी बहुत घना होता है। सोमवार सुबह एक बार फिर दिल्ली में पालम और आईजीआई एयरपोर्ट के आसपास विजिबिलिटी शून्य रही। जिसकी वजह से विमानों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है। 50 से अधिक विमानों के उड़ान में देरी हुई तो पांच विमानों को डायवर्ट करना पड़ा। चार को जयपुर और एक को अहमदाबाद ले जाकर उतारा गया। रविवार को 400 से अधिक विमानों के संचालन में देरी हुई। 10 को डायवर्ट किया गया और 20 को कैंसल करना पड़ा। दिल्ली आने जाने वाली दर्जनों रेलगाड़ियां भी देरी से चल रही हैं।

किसी सेलिब्रेटी से कम नहीं सीमा हैदर...सोशल मीडिया पर जलवा बरकरार, यूट्यूब से सीमा को मिल रहे पैसे

नई दिल्ली । पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर यूं अब टीवी चैनलों पर कम दिखती है, लेकिन सोशल मीडिया पर सीमा का जलवा बरकरार है। सीमा के पोस्ट पर हजारों लोग कमेंट करते हैं। लाखों की संख्या में लोगा सीमा को फॉलो कर रहे हैं। सीमा अब यूट्यूब पर काफी सक्रिय रहती है, साल 2023 के अक्टूबर से सीमा को पैसे भी मिलने लगे हैं। इसके बाद

अब उसके यूट्यूब चैनल पर बहुत तेजी से सब्सक्राइबर बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर सीमा की लोकप्रियता किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। प्यार के खातिर चार बच्चों को लेकर अवैध तरीके से भारत आई सीमा हैदर अब एक सफल यूट्यूबर है। सीमा रील्स बनाती हैं और घर-परिवार से जुड़े व्लॉग भी शेयर करती है। उसके लगभग सभी पोस्ट वायरल हो जाते हैं। सीमा ने बताया कि जुलाई, 2023 में उसने यूट्यूब चैनल बनाया था। सीमा ने बताया कि उसके यूट्यूब चैनल पर एक मिलियन (10 लाख) से ज्यादा सब्सक्राइबर हो चुके हैं। हाल ही में सीमा हैदर ने बताया कि वे नहीं चाहती हैं कि सचिन काम पर जाए। सीमा को ऐसा लगता है कि सचिन के जान को खतरा है। सीमा ने बताया कि अब यूट्यूब से इतनी कमाई होने लगी है कि सचिन को काम पर जाने की जरूरत ही नहीं है। सचिन ने बताया कि वहां अब एक मिठाई की दुकान खोलना चाहता है। फिलहाल वहां सचिन के साथ उसके घर पर ही रहती है। सीमा ने दया याचिका दायर कर भारतीय नागरिकता की मांग की है। उसने हिंदू धर्म अपनाने का दावा भी किया है।

इंडिगो की फ्लाइट में पायलट को जड़े थप्पड़ -13 घंटे की देरी से नाराज था पैसेंजर

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को इंडिगो की फ्लाइट में 13 घंटे से हो रही देरी से नाराज एक पैसेंजर ने पायलट को थप्पड़ जड़ दिया। यह घटना सुबह 7-40 बजे दिल्ली से गोवा जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट (6ई-2175) की है। यह फ्लाइट कोहरे के कारण लेट हुई थी। इस घटना का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में पीले रंग की हुडी पहने पैसेंजर सीट से उठकर पायलट के पास गया और थप्पड़ जड़ने कहते दिख रहा है- चलाना है तो चल, नहीं तो गेट खोल दे। इसके बाद एयर होस्टेस समझते हुए कह रही है की सर, यह गलत है। आप ऐसा नहीं कर सकते। फ्लाइट में मौजूद अन्य लोगों ने पैसेंजर की हरकत का विरोध किया। घटना के बाद पैसेंजर को विमान से बाहर कर सुरक्षाबलों हवाले कर दिया गया। पैसेंजर की पहचान साहिल कटारिया के रूप में हुई है। इंडिगो प्रबंधन ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद एक्स पर यूजर्स अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए पैंसेजर को नो-फ्लाई लिस्ट में डालने को कह रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-2175 को सुबह 7-40 बजे दिल्ली से गोवा रवाना होनी थी। लेकिन घने कोहरे के चलते उड़ान में लगातार देरी हो रही थी। यह भी कहा गया कि फ्लाइट में देरी पायलट की अदला-बदली के चलते भी हुई है।

सुचना सेठ की पुलिस हिरासत पांच दिन बढ़ाई गई, जांचकर्ताओं के साथ नहीं कर रही हैं सहयोग

पणजी । गोवा की एक अदालत ने सोमवार को अपने चार साल के बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार एआई स्टार्टअप सीईओ सुचना सेठ की पुलिस हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी। सुचना सेठ को सोमवार को छह दिन की प्रारंभिक हिरासत

समाप्त होने के बाद गोवा बाल न्यायालय में पेश किया गया। कैलंगुट पुलिस ने यह कहते हुए उसकी हिरासत बढ़ाने की मांग की कि मामले में उनकी जांच अभी खत्म नहीं हुई है। एक अज्ञात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेठ जांचकर्ताओं के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। हमने उसकी हिरासत बढ़ाने की मांग की थी क्योंकि हम उससे पूछताछ के लिए और समय चाहते थे। हमें उसका डीएनए नमूना लेने जैसी अन्य औपचारिकताएं भी निभानी होंगी। उन्होंने बताया कि सेठ के पति वेंकट रमन के बयान की रिकॉर्डिंग पूरी हो गई है। पिछले हफ्ते, बेंगलुरु स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्ट-अप माइंडफुल एआई लैब के सीईओ सेठ को गोवा पुलिस ने उनके अलग हो चुके पति पीआर वेंकट रमन से आमना-सामना कराया था। जब टकराव 15 मिनट तक चला, तो रमन ने सेठ से पूछा कि उसने उनके बच्चे को क्यों मारा। जब उनका आमना-सामना हुआ, तो दोनों के बीच बहस होने लगी। वेंकटरमन ने उससे पूछा, 'तुमने मेरे बच्चे के साथ क्या किया है? आप मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं?' जिस पर सुचना ने जवाब दिया कि उसने कुछ नहीं किया है, ' एक पुलिस अधिकारी ने एचटी को बैठक के बारे में बताया।

वैष्णो देवी मंदिर की पुरानी गुफा फिर खुली

जम्मू । श्रद्धालुओं की कम संख्या को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित वैष्णो देवी मंदिर के पुराने और प्राकृतिक गुफा मार्ग को रविवार को फिर से खोल दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर की यात्रा के लिए इस प्राकृतिक मार्ग को आमतौर पर साल के इस समय में फिर से खोल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की कम संख्या को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया है। उन्होंने बताया कि पुरानी गुफा मार्ग रविवार को फिर से खोल दिया गया और तीर्थयात्रियों ने इसके जरिये यात्रा की। जानकारी के मुताबिक, सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक पुरानी गुफा खुली रहेगी। माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने बताया कि आज मंदिर में पूजा करने के बाद तीर्थयात्रियों को पुराने गुफा मार्ग से यात्रा करने की सुविधा प्रदान की गई।

दिव्या पाहुजा हत्याकाण्ड : शव में मिली गोली, 11 दिन नहर में सुरक्षित रहा शव

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से बढ़ी पुलिस जांच की मुश्किलें

हिसार। हरियाणा के गुरुग्राम के बहुचर्चित मॉडल दिव्या पाहुजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गोली मारने की पुष्टि हुई है। हत्याकांड के 11 दिन बाद दिव्या की लाश फतेहाबाद में नहर से मिली थी। अब दिव्या के शव का पोस्टमार्टम हुआ है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी और पोस्टमार्टम में गोली सिर से मिली है वहीं उसके शरीर पर कोई चोट निशान नहीं मिले। शव के 11 दिन पानी रहने के बावजूद डाक्टर का कहना है कि वह ज्यादा गला-सड़ा हुआ नहीं था। दिव्या के शव का रविवार को शव का पोस्टमार्टम फतेहाबाद और गुरुग्राम पुलिस ने मिलकर अग्रोहा मेडिकल कालेज में करवाया। पुलिस के अनुसार, टोहाना के जाखल में भाखड़ा नहर में शनिवार देर रात दिव्या का शव मिलने के बाद उसे अग्रोहा मेडिकल कालेज के शवगृह में रखवाया गया था। रविवार को पुलिस कार्रवाई के बाद मृतका के शव का एक्सरे करवाया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू होकर ढाई घंटे तक चली, जहां पोस्टमार्टम बाद शाम करीब चार बजे मृतका के शव को उसकी बहन और भाई को सौंप दिया गया। दिव्या के स्वजन अंतिम संस्कार के लिए गुरुग्राम के लिए लेकर चले गए। अग्रोहा मेडिकल कालेज के पोस्टमार्टम एक्सपर्ट डा. मनमोहन और डा. संदीप कालिया सहित चार चिकित्सीय बोर्ड की देखरेख में दिव्या के शव का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम दौरान मृतका के सिर में एक पिस्तौल की गोली मिली, जो नहीं निकल सकी। मृतका के शरीर पर अन्य कोई गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए। हत्याकांड के पश्चात भाखड़ा नहर में डाली गई माडल दिव्या पाहुजा का शव मिलने पर शव की हालात सामान्य पाई गई। पोस्टमार्टम एक्सपर्ट डा. संदीप के अनुसार प्राय- इतने दिन पानी में शव रहने पर गलने सड़ने और जीव जंतुओं द्वारा खाने से शव की हालात बिगड़ जाती है, लेकिन मृतका के शव की हालात अधिक बिगडी हुई नहीं मिली, इससे पोस्टमार्टम में आसानी हो जाती है। गुरुग्राम पुलिस और टोहाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव का विसरा सैंपल लेकर मधुबन लैब भेजा है।

समाज को संगठित करने के लिए तेजी से कार्य करने की जरूरत : मोहन भागवत

-सरसंघचालक ने आदर्श विश्व बनाने के लिए संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

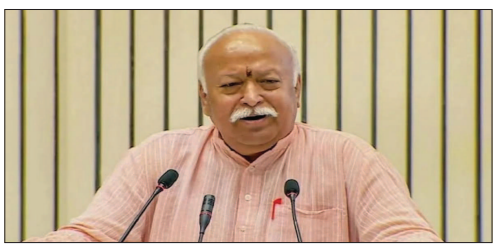

लखनऊ (एजेंसी)। जींद (ईएमएस)। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमें समाज को संगठित करने के लिए और अधिक तेजी से कार्य करना होगा। जब सम्पूर्ण राष्ट्र एकमुष्ठ शक्ति के साथ खडा होगा तो दुनिया का सारा अमंगल हरण करके यह देश फिर से विश्व गुरु बनकर खड़ा होगा। डॉ. मोहन भागवत रविवार को अपने प्रवास के तीसरे दिन गोपाल विद्या मंदिर में जींद नगर की शाखाओं के स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ क्षेत्रीय संघचालक सीताराम व्यास, प्रांत संघचालक पवन जिंदल व विक्रम गिरी महाराज भी मौजूद रहे। संघ प्रमुख ने कहा कि जो विश्व के सामने संकट खड़े हैं, भारत के विश्वगुरु बनने से वह सब शांति, उन्नति को प्राप्त करेंगे। सारी समस्याओं को ठीक करते हुए सब राष्ट्र अपनी-अपनी विशिष्ठता के आधार पर अपना जीवन जीते हुए मानवता के जीवन में, सृष्टि के जीवन में अपना योगदान करते रहें। ऐसा एक आदर्श विश्व खड़ा करने की ताकत हिंदुओं की सगंठित अवस्था में है, उसी के चलते मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा ?कि राम का मदिर बनने का आनंद है और आनंद करना चाहिए। अभी और बहुत काम करना है, लेकिन साथ में यह भी ध्यान रखेंगे कि जिस तपस्या के आधार पर यह काम हो रहा है वह तपस्या हमें आगे भी जारी रखनी है। जिसके चलते हमारे ध्येय की प्राप्ति होगी।

संघ प्रमुख ने कहा कि समाज में तीन शब्द चलते हैं क्रांति, उतक्रांति, संक्रांति तीनों का अर्थ परिवर्तन है परंतु परिवर्तन किस तरीके से आया उसमें अंतर आता है। संक्रांति हमारे यहां आदि काल से प्रचलित है। बड़े-बड़े कार्य स्व के आधार पर सत्य के आधार पर होते हैं। उनका जीवन शुद्ध, निष्कलंक, सतचरित्र था, विरोधी भी उनका सम्मान करते थे। अविचल दृढ़ता के साथ जो ध्येय निश्चित किया पूरा विचार करके उसकी सिद्धी के लिए डॉक्टर साहब अकेले चल पड़े और आगे चलकर बाकी सारी बातें धीरे-धीरे जुड़ गई। डॉक्टर साहब के सत्व, निश्चय को देखकर इस तपस्या को आगे जारी रखने के लिए संघ की पद्धति से हजारों स्वयंसेवक खड़े हुए।

मोहन भागवत ने कहा ?कि ये जो दीर्घ तपस्या चली है उसके कारण देश के जीवन में जो परिवर्तन आने ही वाला है उसका प्रारंभ का संकेत श्रीराम मंदिर है। जैसे संक्रांति के बाद अच्छा परिवर्तन आता है। ठंड कम होकर गर्मी बढ़ती है और लोगों की कर्मशीलता बढ़ती ठीक उसी प्रकार देश के जीवन में भी अच्छा परिवर्तन आने वाला है। भारतवर्ष का शील 'वसुधैव कुटुम्बकम' है। दुनिया की ज्यादातर संस्कृति अपने शील के साथ मिट गई लेकिन हिंदू हर प्रकार के उतार-चढ़ाव से निकल कर भी जिंदा रह पाया है। यहां इतनी सारी भाषाएं, देवी-देवता, विविधि पंथ होने के बाद भी उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम भारतवर्ष का व्यक्ति मानता है कि हमें ऐसे जीना है कि हमको देख कर दुनिया जिए। संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू समाज के मन में था इसलिए गुलामी का प्रतीक ढहाया गया। इसके अलावा अयोध्या में किसी भी मस्जिद को कोई नुकसान नहीं हुआ। कारसेवकों ने कहीं दंगा नहीं किया। हिंदू का विचार विरोध का नहीं प्रेम का है, इसे ही संक्रांति कहते हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी : शशि थरूर

कोझिकोड । कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी संभावना है कि मौजूदा सरकार का संख्या बल थोड़ा कम हो सकता है। मुझे दृढ़ता से लगता है कि उन्हें उस स्तर तक नीचे लाया जा सकता है, जहां कई संभावित सहयोगी उनके साथ शामिल नहीं होना चाहेंगे। कोझिकोड समुद्र तट पर आयोजित केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) के दौरान

राजनेता-लेखक ने कहा कि यह देखते हुए कि भारत के विविध रंग हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है कि इंडिया गठबंधन को सभी राज्यों में पूर्ण समझौता करना पड़े। इंडिया गठबंधन के सदस्यों के बीच सीट-बंटवारे के मुद्दे पर बात करते हुए थरूर ने रोकी जा सकने वाली हार सुनिश्चित करने के लिए अधिक से अधिक राज्यों में एक व्यवस्था की उम्मीद जताई। कांग्रेस नेता ने केरल और तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए टिप्पणी की कि केरल में यह कल्पना करना कठिन है कि सीपीएम और कांग्रेस सीट बंटवारे पर सहमत होंगे, हालांकि, तमिलनाडु में सीपीआई, सीपीएम, कांग्रेस और डीएमके एक साथ हैं और कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछला चुनाव साथ मिलकर लड़ा था और इस बार भी लड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि लोगों को इस तथ्य से परिचित कराना जरूरी है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र से सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार को चुना जाना चाहिए।

मुफ्त में राशन देकर लोगों को गुलाम बनने की कोशिश कर रही मोदी सरकार: मायावती

-आम चुनाव में अपने दम पर लड़ेगी बसपा

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अपने जन्मदिन पर केंद्र और यूपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मोदी सरकार की मुफ्त राशन स्कीम को आड़े हाथों लेकर कहा कि मुफ्त अनाज देकर मोदी सरकार लोगों को गुलाम बनाने की कोशिश कर रही है। बहनजी ने कहा, हमारी पार्टी ने यूपी में अपनी 4 बार की सरकार में सभी वर्गों के लिए काम किया। अल्पसंख्यक, गरीब, मुस्लिम, किसान और अन्य मेहनतकश लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, जिन्हें सरकारें नाम बदलकर अपना बनाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन सरकारों के जातिवादी होने के कारण यह काम नहीं हो पा रहा है।

मायावती ने कहा कि रोजगार के साधन देने के बजाय फ्री में थोड़ा सा राशन देकर लोगों को मोहताज बनाया जा रहा है। जबकि हमारे कार्यकाल में अपनी सरकार के दौरान हमने वर्तमान सरकारों की तरह लोगों को मोहताज नहीं बनाया। उन्होंने केंद्र की मुफ्त राशन योजना पर जमकर निशाना साधा। मायावती ने कहा कि हमने अपनी सरकार के दौरान लोगों को सम्मान और स्वाभिमान ऊंचा करने का मौका भी दिया, लेकिन वर्तमान समय में यह होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार धर्म और संस्कृति की आग में राजनीति कर रही है, जिससे लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

मायावती ने कहा, यूपी में अपनी पार्टी के नेतृत्व में खासतौर पर आदिवासी, पिछड़ों, अतिपिछड़ों और मुस्लिमों के कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। दूसरी पार्टियों ने उनकी नकल करके, थोड़ा नाम बदलकर उन योजनाओं को भुनाने को कोशिश की। उन्होंने कहा कि इन सभी पार्टियों के चलते विकास नहीं हो सकता है। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए सरकारी नौकरी और अन्य क्षेत्रों में जो नौकरियों का प्रावधान वह लाभ भी नहीं मिल पा रहा है, दयनीद स्थिति बनी हुई है।

मायावती ने कहा कि ऐसी अफवाह उड़ाई जा रही है कि मायावती जल्दी ही राजनीति से संन्यास लेना चाहती हैं, लेकिन मैं अंतिम सांस तक राजनीति में रहकर पिछड़ों के लिए लड़ती रहूंगी। हमारी पार्टी देश में जल्दी ही घोषित होने वाले लोकसभा चुनाव दलितों, आदिवासियों, अति पिछड़ों, मुस्लिमों और अल्पसंख्यकों के दम पर अकेले ही लड़ेगी।

बसपा प्रमुख ने अपने दम पर चुनाव लड़ने का कारण बताकर कहा कि बीएसपी अपने दम पर चुनाव इसलिए लड़ती है, क्योंकि इसका सर्वोच्च पद दलित का ही है।ऊंची जाति का वोट बीएसपी को ट्रांसफर नहीं हो पाता और गठबंधन में हमारा वोट उन्हें चला जाता है। हम इसका लाभ नहीं मिलता। पिछले बार देखा गया है कि पुराने चुनावों में कांग्रेस और सपा का ही फायदा हुआ, जब गठबंधन हुआ।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे उद्धव ठाकरे, असली शिवसेना को लेकर स्पीकर के फैसले को दी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 'असली शिवसेना' की मान्यता के संबंध में महाराष्ट्र अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस फैसले से राज्य में राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने हाल ही में वरिष्ठ शिव सेना नेता संजय राउत के नेतृत्व वाले गुट को 'असली शिव सेना' घोषित किया था। इस कदम से सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी गठबंधन, जिसमें शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस शामिल हैं, के बीच रिश्ते और तनावपूर्ण हो गए हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा हाल ही में सेना बनाम सेना संघर्ष में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट के पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बावजूद, शिवसेना के भीतर आंतरिक कलह के समाधान के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अविभाजित पार्टी के संविधान के 1999 संस्करण के आधार पर, नार्वेकर के फैसले ने शिंदे के समूह का पक्ष लिया, उन्होंने दावा किया कि उद्धव ठाकरे के पास शिंदे को निष्कासित करने का अधिकार नहीं था, इस प्रकार उन्हें शिवसेना के सदस्य के रूप में रखा गया।

सोमवार दोपहर को, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, जो कभी शिव सेना के निर्विरोध नेता थे, ने नार्वेकर के 'असली शिव सेना' के दृढ़ संकल्प को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जून में अविभाजित शिवसेना छोड़ने के बाद शिंदे के गुट में शामिल होने वाले सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली याचिकाओं को स्पीकर द्वारा खारिज किए जाने का भी ठाकरे ने विरोध किया। नार्वेकर के फैसले पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए, ठाकरे ने स्पीकर पर लोकतंत्र को कमजोर करने और शिंदे के निर्देशों पर काम करने का आरोप लगाया। ठाकरे ने इस फैसले की आलोचना करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट का 'अपमान' बताया और इसे 'लोकतंत्र की हत्या' बताया।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव : पार्षदों की निगरानी में जुटी कांग्रेस, आप और भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सियासत गर्म है। आप और भाजपा के पार्षदों की एक-एक विकेट गिरने-गिराए जाने के बाद कांग्रेस को अपनी भी चिंता सता रही है।

सूत्र ने कांग्रेसी पार्षदों को हिमाचल की शिमला में बताया हैं। यानी कि कांग्रेस पार्षद अपनी हिमाचल की राज्य सरकार के संरक्षण में पहुंच गए हैं। इसी तरह भाजपा पार्षदों को भी एक जगह एकत्रित कर दिया गया है ताकि आगे के सियासी टूर पर साथ लेकर ले जाया जा सके।

संभव है कि भाजपा पार्षद भी मेयर चुनाव होने तक शहर से बाहर रहें। अटकले हैं कि वरिष्ठ नेताओं की देखरेख में भाजपा पार्षदों को आसपास ही हरियाणा लेकर जाया जाएं। जोड़-तोड़ की राजनीति का भय इस अंदाज से ही लाया जा सकता है कि आप पार्षद ने तो काफी पहले ही पंजाब में डेरा जमा लिया था, जो शनिवार को पंजाब पुलिस के संरक्षण में नामांकन पत्र दाखिल करने आई थी, इसके बाद सभी पार्षद वापस रेपड़ के लिए निकल गए।

राजनीतिक गलियों में हर किसी की जुबान पर एक ही बात क्या कांग्रेस-आप का स्थानीय स्तर पर गठबंधन का संगम होगा कि नहीं? शनिवार को मेयर चुनाव की नामांकन प्रक्रिया और तमाम राजनीतिक उठा-पठक के बाद देर रात्रि को राष्ट्रीय स्तर पर लगभग गठबंधन की सूचना सामने आई, जिसके बाद शहर की राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई। यह खबरें अपना मेयर बनाए जाने के जुगात में लगी हुई भाजपा की चिंता बढ़ने जैसी रही।

वहीं, रविवार शाम तक स्थानीय स्तर पर आप और कांग्रेस की आला कमान से 18 जनवरी को मेयर चुनाव को लेकर कोई हरी झंडी नहीं मिल सकी थी। कहा जाता है कि एक- दो दिनों में इसे लेकर तस्वीर पूरी तरह से साफ हो सकेगी। आप और कांग्रेस को हाईकमान से हरी झंडी का इंतजार है। अगर हाईकमान से कोई इशारा नहीं होता है तो मजबूरन कांग्रेस, आप को अलग अलग ही मेयर चुनाव मैदान में उतरना पड़ सकता है। भाजपा भी इसी की कामना कर रही है।

परंपरा से उलट काम हो रहा, इसलिए हम नहीं जाएंगे : शंकराचार्य

-पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने प्राण-प्रतिष्ठा पर कहा- इसे अहंकार से न जोड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में शंकराचार्यों के न जाने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। कांग्रेस समेत विपक्ष शंकराचार्यों की राय का जिक्र करते हुए मोदी सरकार पर हमला बोल रहा है। वहीं पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने एक बार फिर से दोहराया है कि वह इस आयोजन में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा में न जाने का फैसला हमारे अहंकार से जुड़ा नहीं है बल्कि यह परंपरा की बात है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा से उलट काम होने के चलते हम इस आयोजन में नहीं जा रहे हैं। उन्होंनें मीडिया से बातचीत में कहा कि शंकराचार्यों की अपनी एक गरिमा है। यह अहंकार की बात नहीं है। क्या हमसे यह अपेक्षा की जाती है कि हम बाहर बैठें और जब पीएम प्राण प्रतिष्ठा करें तो बाहर बैठकर ताली बजाएं। एक सेकुलर सरकार का यह काम नहीं है कि वह परंपराओं से छेड़छाड़ करे। शंकराचार्यों की ओर से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को किए जाने को भी गलत बताया था। उनका कहना था कि यह तारीख ठीक नहीं है। ऐसा आयोजन राम नवमी के दिन किया जाना चाहिए। हालांकि बाद में दो शंकराचार्यों ने खबरों को खारिज करते हुए आयोजन पर खुशी जताई थी, लेकिन यह भी साफ किया कि वे इस कार्यक्रम में नहीं जाएंगे।

बता दें कि शंकराचार्यों की राय के बहाने कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियां भी सरकार को घेर रही हैं। एक ओर कांग्रेस यह तर्क भी दे रही है कि मंदिर का निर्माण अभी चल ही रही है। वहीं दूसरी आरे अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करना सनातन धर्म की परंपरा के विपरीत है। अशोक गहलोत ने कहा कि सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ गुरु शंकराचार्य कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं। इससे साफ है कि हमारा फैसला सही है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पूरे आयोजन का राजनीतिकरण कर दिया है। यही वजह है कि हमारे सनातन धर्म के शीर्ष गुरु शंकराचार्य भी आयोजन में नहीं जा रहे हैं। यदि वे कुछ कह रहे है तो उसकी अहमियत है।22 जनवरी के आयोजन के लिए देश भर में 10 हजार लोगों को न्योता दिया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। वहीं कारोबारी जगत से मुकेश अंबानी, गौतम अडानी समेत कई हस्तियां मौजूद रहेंगी। सिलेब्रिटीज के साथ ही कई देशों के राजनयिकों को भी कार्यक्रम में बुलाया गया है।

खड़गे सोनिया ने बनाई रामलला से दूरी पर दूसरे कांग्रेसी उत्साह के साथ जाएंगे अयोध्या

शिमला (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से इंकार कर दिया है। इसके बाद भी कई कांग्रेस नेता इस समारोह में शामिल होने के लिए उत्साहित है। जिसमें सबसे पहला नाम हिमाचाल प्रदेश की कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह का है। उन्होंने साफ कर दिया कि हमें न्योता मिला है और हम भगवान राम के समारोह में जरुरी शामिल होंगे।इसी के साथ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ भी की है। कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह ने कहा कि उन्हें और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह को एक संयुक्त निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 98 प्रतिशत आबादी हिंदू लोगों की है। यहां सभी की आस्था राम के प्रति है। राम के मंदिर का इतना बड़ा जीर्णोद्धार होने जा रहा है। उसके लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी है। उन्होंने इसके बीड़ा उठाया है और इसकी शुरुआत करने का शंखनाद भी बजा दिया है।

प्रतिभा सिंह ने आगे कहा कि उन्होंने हमें भी आमंत्रित किया है। आप सभी जानते हैं कि स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की मंदिरों से बहुत आस्था थी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मंदिरों का भी जगह-जगह जीर्णोद्धार किया है और जो आस्था उनकी सब मंदिरों के प्रति रही है, हमारी आस्था भी श्रीराम जी के प्रति है। हम भी चाहते हैं कि हमारा धर्म भी आगे बढ़े। हम इस आस्था को नौजवान पीढ़ी को भी सिखाए। आज हमारा बड़ा सौभाग्य है कि आज हिंदोस्तान के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। उसके लिए हमारे प्रधानमंत्री ने जो काम किया वो सच में ही सराहनीय है। 22 जनवरी को जो प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है उसके लिए हमें भी निमंत्रण मिला है। वहीं उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह ने भी अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट शेयर की है जिसमें उन्होंने लिखा है कि 22 जनवरी को अयोध्या नगरी का निमंत्रण प्राप्त हो गया है। हम श्रीराम के दर्शन के लिए उपस्थित रहेंगे। ये जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है। विक्रमादित्य सिंह श्रीराम को बहुत मानते हैं। वो अक्सर फेसबुक पर जो कोई पोस्ट शेयर करते हैं तो उसके कैप्शन में जय श्रीराम लिखते हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्योता नहीं मिला है। इस पर उन्होंने कहा था कि हमारा जीवन मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के नाम से शुरू होता है, अयोध्या जाने के लिए उन्हें किसी निमंत्रण की जरूरत नहीं है। सुक्खू का यह भी कहना था कि वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या जाएंगे।

डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी, अभी कोविड से खतरा टला नहीं

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि अभी कोविड से खतरा टला नहीं है। डब्ल्यूएचओ के एक वरिष्ठ विशेषज्ञ ने कहा कि कोविड-19 वायरस के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम वैश्विक स्तर पर बना हुआ है, यह वायरस सभी देशों में फैल रहा है। महामारी रोकथाम के लिए जिम्मेदार डब्ल्यूएचओ की अंतरिम निदेशक मारिया वैन केरखोव ने एक विशेष बयान में जिनेवा में कहा कि अपशिष्ट जल विश्लेषण पर आधारित अनुमान के अनुसार, कोविड-19 का वास्तविक प्रसार रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या से दो से 19 गुना अधिक है। उन्होंने शरीर के कई अंगों को प्रभावित करने वाली पोस्ट-कोविड स्थितियों की शुरुआत के बारे में भी चिंता व्यक्त की। हालांकि कोविड से संबंधित मौतों में भारी कमी आई है, फिर भी 50 देशों में प्रति माह लगभग 10 हजार मौतें अभी भी हो रही हैं। वान केरखोव ने वायरस की उभरती प्रकृति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा ?कि इसमें डब्ल्यूएचओ द्वारा विश्लेषण किए गए वैश्विक अनुक्रमों में से लगभग 57 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले कोविड-19 जेएन.1 वैरिएंट का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि विशिष्ट मानदंडों द्वारा परिभाषित, जिसमें चार से 12 महीने या उससे अधिक समय तक बनी रहने वाली गंभीर थकान, फेफड़ों की दुर्बलता, तंत्रिका संबंधी समस्याएं और हृदय संबंधी दुर्बलता जैसे लक्षण चिंता का विषय है। आंकड़े बताते हैं कि दस में से एक संक्रमण गंभीर मामलों सहित, पोस्ट-कोविड स्थितियों को जन्म दे सकता है। वैन केरखोव ने कहा कि अभी तक इसका कोई इलाज उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह अभी भी नया है। इस क्षेत्र पर अपर्याप्त ध्यान दिया गया है और पर्याप्त फंडिंग नहीं की गई है। उन्होंने उत्तरी गोलार्ध में इन्फ्लूएंजा संक्रमणों की संख्या में तेजी से वृद्धि की भी चेतावनी भी दी।

श्रीलंका ने 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, एक सप्ताह में दूसरी घटना

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने देश के जल क्षेत्र में कथित तौर पर मछली पकड़ने को लेकर 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी नौकाएं को जब्त कर लिया। सोमवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इससे पहले, बीते शनिवार को भी श्रीलंका ने 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और उनकी तीन नौकाओं को जब्त कर लिया था। श्रीलंका की नौसेना ने एक विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरों को जाफना के उत्तर प्वाइंट पेड़ो से रविवार को गिरफ्तार किया गया और उनकी (मछली पकड़ने की नौकाएं जब्त कर ली गईं। विज्ञप्ति के मुताबिक, पकड़े गए 10 मछुआरों को कणकेशांतुराई बंदरगाह ले जाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मेलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। श्रीलंका और भारत के बीच मछुआरों का मुद्दा गतिरोध का कारण बना हुआ है। श्रीलंका की नौसेना के कर्मी पाक जलडमरुमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी तक करते हैं और श्रीलंकाई जल क्षेत्र में अवैध रूप से दाखिल होने का आरोप लगा उनकी नौकाएं जब्त कर लेते हैं तथा इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पाक जलडमरुमध्य तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच एक संकरा जल क्षेत्र है और मछली पकड़ने का एक प्रमुख जलक्षेत्र है। पिछले साल, श्रीलंका की नौसेना ने कुल 240 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और मछली पकड़ने की उनकी 35 नौकाओं को जब्त किया था।

एंजेल कोरिया और उनके परिवार से बंदूक की नोंक पर लूट

मैड्रिड । स्पेनिश मीडिया के अनुसार, एटलेटिको मैड्रिड अर्जेंटीना के अंतर्राष्ट्रीय स्ट्राइकर एंजेल कोरिया और उनके परिवार के साथ उनके घर में बंदूक की नोक पर लूटपाट हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 9 बजे चार नकाबपोश बंदूकधारी एंजेल के घर में घुसे। फिर, उन बदमाशों ने एंजेल और उसके परिवार को धमकाया। लुटेरों ने घर में उपलब्ध सभी गहने और नकदी की मांग की। रिपोर्ट में बताया गया कि कोई व्यक्तिगत क्षति नहीं हुई और चोरों के जाने के बाद खिलाड़ी ने पुलिस को डकैती की सूचना दी। फिलहाल मामले की जांच चल रही है। एंजेल कोरिया स्पेनिश सुपर कप सेमीफाइनल में खेलने के बाद सऊदी अरब से स्पेन लौट आए, जिसमें उनकी टीम रियल मैड्रिड से 4-3 से हार गई थी। स्पेनिश फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ हुई लूटपाट का यह मामला पहली बार सामने नहीं आया है। इससे पहले भी कई हाई-प्रोफाइल फुटबॉलर के साथ ऐसी घटना हो चुकी है। जिसमें सर्जियो रामोस, पियरे-एमरिक और लुकास वाज क्रेज जैसे कई नाम शामिल हैं।

आईडीएफ ने हमास नेता अरौरी की बहनों की गिरफ्तारी का किया दावा

-इजरायल के खिलाफ आतंक भड़काने की आरोपी दलाल अल फातिमा अल गिरफ्तार

तेल अवीव । हमास नेता सालेह अल-अरौरी की दो बहनों को गिरफ्तार करने का इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दावा किया है। सालेह अल-अरौरी हाल ही में बेरूत में हवाई हमले में मारे गए थे। रविवार को एक बयान में सेना ने कहा कि उन्हें वेस्ट बैंक में दो अलग-अलग छापों में गिरफ्तार किया गया। दलाल अल-अरौरी (52) और फातिमा अल-अरौरी (47) को क्रमशः अरुरा शहर और अल-बिरेह शहर से हिरासत में लिया गया। आईडीएफ ने कहा कि उन्हें इजरायल के खिलाफ आतंक भड़काने के लिए गिरफ्तार किया गया। रामल्लाह के उत्तर में स्थित अरुरा, सालेह अल-अरौरी का गृहनगर है, जो 2 जनवरी को लेबनानी राजधानी के दक्षिणी उपनगर में आतंकवादी समूह के एक कार्यालय को निशाना बनाकर किए गए इजरायली ड्रोन हमले में हमास के छह अन्य सदस्यों के साथ मारा गया था। सालेह अल-अरौरी की हत्या से हमास और हिजबुल्लाह में सदमे की लहर दौड़ गई थी, क्योंकि 7 अक्टूबर, 2023 को युद्ध शुरू होने के बाद से वह मारे जाने वाले शीर्ष नेता थे। हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरुल्लाह ने लेबनान में हुई हत्या के बाद पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी है।

फूलों की दुकान में आग लगने से 4 की मौत

हनोई । वियतनाम की राजधानी हनोई में फूलों की एक दुकान में सोमवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि शहर के ओल्ड क्वार्टर इलाके में हैंग लुओक स्ट्रीट पर स्थित चार मंजिला दुकान में सुबह चार बजकर 40 मिनट पर आग लग गई। इस हादसे में दम घुटने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। लगभग 20 वर्ग मीटर के इस दुकान का केवल एक ही अग्रभाग है। पहली मंजिल पर एक रोलिंग दरवाजा है और दूसरी और तीसरी मंजिल के सामने बाड़ लगी हुई है। बताया गया है कि अंदर मौजूद लोग ऊपरी मंजिल पर पहुंचकर या अगले घर पर चढ़कर ही अपनी जान बचा सकते थे। मामले की जांच की जा रही है। दमकल और बचाव पुलिस विभाग के अनुसार वर्ष 2023 में देश में आग लगने की करीब 3,440 घटनाएं हुईं जिनमें 146 लोगों की मौत हो गई और 109 अन्य घायल हो गए। इस दौरान लगभग 878 अरब वियतनामी डोंग की संपत्ति का नुकसान हुआ।

गाजा में 100 दिनों के संघर्ष में 23,800 लोग मारे गये

-दो ब्रिगेड कमांडर, 19 बटालियन कमांडर और 50 से अधिक कंपनी कमांडरों का खात्मा : आईडीएफ

यरूशलम । हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में 100 दिनों के सशस्त्र संघर्ष में नौ हजार से अधिक 'आतंकवादी' मारे गए। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को बताया कि रक्षा बलों ने हमास के दो ब्रिगेड कमांडर, 19 बटालियन कमांडर और 50 से अधिक कंपनी कमांडरों का खात्मा कर दिया गया। इस्राइली सेना ने दुश्मन के क्षेत्र के लगभग 30 हजार लक्ष्यों पर हमले किये।एबयान के अनुसार इस दौरान दक्षिणी लेबनान में लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के साथ संघर्ष बढ़ने के साथ इजरायली सेना ने लगभग 170 'आतंकवादियों' को मार गिराया और लगभग 750 लक्ष्यों पर हमले किये। आईडीएफ ने पिछले साल सात अक्टूबर से वेस्ट बैंक में 40 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया है। उसके अनुसार इस दौरान 2,650 से अधिक वांछित फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से करीब 1,300 हमास के कार्यकर्ता हैं।साथ ही,आतंकवादियों के कम से कम 14 ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया।हमास ने सात अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी से इज़राइल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमले किये और उसके लड़ाकों ने सीमा का उल्लंघन करके सेना और नागरिकों पर गोलीबारी की। इस दौरान इज़राइल में 1,200 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया।

तथाकथित जर्मन एम्पेल गठबंधन सरकार की कृषि वाहन कर सब्सिडी में कटौती के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन से एक दिन पहले तैयारी करने के लिए जर्मन किसानों ने स्ट्रैसे डेस जूनी में ब्रैंडेनबर्ग गेट के सामने अपने ट्रैक्टरों की कतार लगा दी।

अमेरिका में भारतीयों ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का मनाया जश्न, निकाली कार रैलियां

न्यूर्याक । राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम नजदीक आने के साथ भारत भर में भगवान राम भक्त 22 जनवरी को होने वाले अयोध्या में राम मूर्ति के बहुप्रतीक्षित अभिषेक का जश्न मना रहे हैं। अब, संयुक्त राज्य अमेरिका में भगवान राम भक्तों ने न्यू जर्सी राज्य में एक कार रैली का आयोजन किया है और आयोजन समिति ने कहा कि पश्चिमी देश में ऐसी और रैलियों की योजना है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, रैली में हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की छवि वाले झंडे लिए हुए थे, जिसमें कम से कम 350 कारें शामिल थीं। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी), अमेरिकी शाखा, ने पूरे अमेरिका के हिंदुओं के साथ मिलकर 10 राज्यों में 40 से अधिक बिलबोर्ड लगाए हैं। इस बीच, वीएचपी ने राम मंदिर उद्घाटन के उपलक्ष्य में अमेरिका के मैरीलैंड में टेस्ला म्यूजिकल लाइट शो का भी आयोजन किया है। न्यू जर्सी में हिंदू समुदाय खुशी से भरा हुआ है। पूरे न्यूयॉर्क में बिलबोर्ड और 21वीं रात को होने वाले भव्य उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद के अमेरिकी चैप्टर के संयुक्त महासचिव तेजा ए शाह ने एएनआई के हवाले से कहा, उत्साह स्पष्ट है, न्यू जर्सी के मंदिरों के सदस्य पीढ़ी में एक बार होने वाले इस आयोजन का इंतजार कर रहे हैं।22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले हिंदू अमेरिकी समुदाय ने पूरे अमेरिका में कई कार रैलियां आयोजित की हैं।

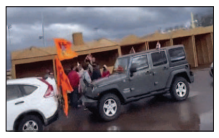

अमेरिका ने डरकर लिया यू टर्न बोला- हम ताइवान की आजादी का समर्थन नहीं करते

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की लंबे समय से पोलिसी रही है कि वो अपना दांव बदलता रहा है। जब जैसा मौका होता है अमेरिका वैसी ही चाल चलता है। ये किसी से छुपा नहीं है कि अमेरिका ताइवान को समय समय पर उकसाता रहा है। अब अचानक अमेरिका ने अपने रुख में बदलाव करते हुए कहा है कि अमेरिका ताइवान की आजादी का समर्थन कतई नहीं करता है। ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार लाई चिंग-ते के तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के कुछ घंटों बाद, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिका ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता है। ताइवान के मतदाताओं द्वारा चीन को फटकार लगाने और सत्तारूढ़ दल को तीसरा राष्ट्रपति कार्यकाल देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता है।इससे पहले ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार लाई चिंग-ते सत्ता में आए, उन्होंने उन्हें ठुकराने के चीनी दबाव को दृढ़ता से खारिज कर दिया, और दोनों को बीजिंग के सामने खड़े होने और बातचीत करने का वचन दिया।

चुनावों पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर बाइडेन ने कहा कि हम स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करते। अमेरिका ने 1979 में राजनयिक मान्यता ताइपे से बीजिंग में बदल दी और कहा है कि वह ताइवान द्वारा स्वतंत्रता की औपचारिक घोषणा का समर्थन नहीं करता है। हालांकि, यह स्व-शासित द्वीप के साथ अनौपचारिक संबंध बनाए रखता है और इसका सबसे महत्वपूर्ण समर्थक और हथियार आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। बीजिंग ने ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल का प्रयोग कभी नहीं छोड़ा है, उसको डर है कि लाई ताइवान गणराज्य की स्थापना की घोषणा कर सकते हैं, जो लाई ने कहा है कि वह ऐसा नहीं करेंगे। बाइडेन ने पहले चीनी सरकार को यह कहकर परेशान कर दिया था, जिनसे लगता था कि यदि द्वीप पर हमला किया गया तो अमेरिका उसकी रक्षा करेगा, जो रणनीतिक अस्पष्टता की लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी स्थिति से बदलाव है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने लाई चिंग-ते को उनकी जीत पर बधाई दी और कहा कि अमेरिका क्रॉस-स्ट्रेट शांति और स्थिरता बनाए रखने और मतभेदों के जबरदस्ती और दबाव से मुक्त शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अमेरिका लाई और ताइवान के सभी दलों के नेताओं के साथ काम करने के लिए उत्सुक है ताकि उनके लंबे समय से चले आ रहे अनौपचारिक संबंधों को, जो कि अमेरिका की एक चीन नीति के अनुरूप है आगे बढ़ाया जा सके।

बाइडेन प्रशासन को डर है कि चुनाव, परिवर्तन और नए प्रशासन से बीजिंग के साथ संघर्ष बढ़ जाएगा। बाइडेन ने चीन के साथ संबंधों को सुचारू बनाने के लिए काम किया है, जिसमें नवंबर में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कैलिफोर्निया शिखर सम्मेलन में सुरक्षा मामलों पर मतभेदों को दूर करने पर सहमति शामिल है। दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा कि ताइवान की सरकार को उम्मीद है कि चीन मतदान के बाद उसके आने वाले राष्ट्रपति पर दबाव बनाने का प्रयास करेगा, जिसमें इस वसंत में द्वीप के पास सैन्य युद्धाभ्यास भी शामिल है। चीन ने ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल प्रयोग से कभी परहेज नहीं किया है।

उत्तर कोरिया के मिसाइल का परीक्षण पर दक्षिण कोरिया ने दी धमकी

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल लॉन्च की। ये मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में जाकर गिरी। वहीं दक्षिण कोरिया का आरोप है कि उत्तर कोरिया ने इंटरमीडिएट रेंज की एक बैलिस्टिक मिसाइल के लॉन्च की है जो 1000 किलोमीटर की दूरी पर समुद्र में गिर गई। दक्षिण कोरिया ने धमकी दी है कि अगर उत्तर कोरिया इसी तरह टेस्ट करता रहा तो कोरियाई प्रायद्वीप में कभी भी युद्ध के बादल मंडरा सकते हैं। उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोन ने इस बार शॉर्ट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल का टेस्ट किया है। दक्षिण कोरिया का कहना है कि उत्तर कोरिया के लगातार ऐसा करने से संबंध खराब होंगे। दक्षिण कोरिया का ये भी कहना है कि एक तरह से उत्तर कोरिया मिसाइल परिक्षण करके उकसा रहा है। दक्षिण कोरिया का कहना है कि इस तरह का परिक्षण कोरियाई प्रायद्वीप की शांति के लिए गंभीर खतरा है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई का जवाब देने के लिए दक्षिण कोरिया भी तैयारी करेगा। इसके साथ ही जापान ने भी उत्तर कोरिया के मिसाइल लांच की पुष्टि की है। गौरतलब है कि हाल ही में किम जोंग ने परमाणु हमले की धमकी दी थी। किम जोंग वने कहा था कि अगर दुश्मन देश उसे उकसाएगा तो वो परमाणु हमला करने में देर नहीं करेंगे। किम जोंग ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग-18 को लॉन्च किया था।

खबरों के मुताबिक मिसाइल के लॉन्च का मकसद नए मल्टी-स्टेज, हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल इंजन और इंटरमीडिएट-रेंज हाइपरसोनिक की विश्वसनीयता का परीक्षण करना था। इससे पड़ोसी देशों की सुरक्षा में कोई खतरा नहीं है। ये परीक्षण उसी दिन हुआ जब विदेश मंत्री चो सोन हुई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्योंगयांग से रूस के लिए रवाना हुआ।पूर्वी सागर में किम ने बैलेस्टिक मिसाइल टेस्ट करके दक्षिण कोरिया में दहशत फैला दी है। कुछ समय पहले ही किम जोंग उन ने मिसाइल परीक्षण किया था। एक के बाद लगातार मिसाइल दागने से उत्तर कोरिया ने पड़ोसी देशों में डर पैदा कर रहा है। उत्तर कोरिया ने जापान सागर की तरफ ये मिसाइल दागी गई है।

1850 से लेकर अब तक के रिकॉर्ड में 2023 सबसे गर्म वर्ष

-वैश्विक औसत तापमान पुरा-औद्योगिक काल से 1.46 डिसे ऊपर था

लंदन (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर 1850 से लेकर अब तक के दर्ज रिकॉर्ड में 2023 सबसे गर्म वर्ष रहा। वर्ष 2023 लगातार दसवां वर्ष है जब वैश्विक तापमान पुरा-औद्योगिक अवधि (1850-1900) से 1.0 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा अधिक रहा है। ब्रिटेन में मौसम कार्यालय और ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में वैश्विक औसत तापमान पुरा-औद्योगिक काल के औसत से 1.46 डिग्री सेल्सियस ऊपर था। यह 2016 के मान से 0.17 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रहा, जो रिकॉर्ड पर पिछला सबसे गर्म वर्ष था।

मौसम कार्यालय के जलवायु निगरानी और अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. कॉलिन मोरिस ने बताया, '174 वर्षों के अवलोकन में अब 2023 की दुनिया भर में औसतन सबसे गर्म वर्ष के रूप में पुष्टि की गई है। 2023 ने मासिक रिकॉर्ड की एक श्रृंखला भी स्थापित की, मासिक वैश्विक औसत तापमान जून के बाद से रिकॉर्ड स्तर पर बना हुआ है। अप्रैल के बाद से समुद्र की सतह का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर बना हुआ है।'

मोरिस ने कहा, 'पूर्व-औद्योगिक स्तरों से ऊपर वैश्विक औसत तापमान में लगभग 1.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की पृष्ठभूमि पर साल-दर-साल भिन्नताएं बैठती हैं। यह वार्मिंग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के माध्यम से मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार है।'दीर्घकालिक वार्मिंग के अलावा, अल नीनो स्थितियों में परिवर्तन ने वर्ष के उत्तरार्ध में तापमान को और अधिक बढ़ाने में योगदान दिया।अल नीनो उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में जलवायु परिवर्तनशीलता के एक पैटर्न का हिस्सा है जो वैश्विक वातावरण में गर्मी प्रदान करता है, जिससे एक व्यक्तिगत वर्ष के तापमान में अस्थायी रूप से 0.2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है।

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव: रामास्वामी ने साधा ट्रम्प और हेली पर निशाना

-ट्रंप की टिप्पणी को बताया सलाहकारों का दुर्भाग्यपूर्ण कदम

आयोवा (एजेंसी)। पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'धोखेबाजी वाली चालें' टिप्पणी पर प्रतिद्वंद्वी विवेक रामास्वामी ने उन पर सीधे तौर पर प्रतिक्रिया देने से परहेज किया है, अपितु एक्स में किये एक पोस्ट में उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी को उनके 'सलाहकारों' का 'दुर्भाग्यपूर्ण कदम' बताया है। आयोवा कॉकस से पहले, ट्रम्प ने रामास्वामी पर 'धोखेबाजी वाली चालें' का इस्?तेमाल करने का आरोप लगाया था। अब विवेक रामास्वामी का कहना है कि वह ट्रंप की 'आलोचना' नहीं करेंगे।

रामास्वामी ने अपने एक्स पोस्ट की शुरुआत यह स्वीकार करते हुए की कि उन्हें ट्रम्प की आलोचना के बारे में पता है लेकिन वे इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। रामास्वामी ने अपने प्रतिद्वंद्वी की इन टिप्पणियों के बावजूद, ट्रम्प के राष्ट्रपति पद के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 'हाँ, मैंने राष्ट्रपति ट्रम्प की ट्रुथ सोशल पोस्ट देखी जो उनके सलाहकारों का एक दुर्भाग्यपूर्ण कदम लगता है, मुझे नहीं लगता कि मैत्रीपूर्ण आग मददगार है।

रामास्वामी ने आगे कहा कि डोनाल्ड ट्रंप 21वीं सदी के सबसे महान राष्ट्रपति थे और मैं इस हमले के जवाब में उनकी आलोचना नहीं करने जा रहा हूं। मैं यहां 390 से अधिक आयोजनों में आयोवा के हजारों लोगों से मिल चुका हूं, और वे बहुत चिंतित हैं - और मैं भी हूं - कि यह 'सिस्टम' डोनाल्ड जे. ट्रम्प को फिर से व्हाइट हाउस के आसपास भी नहीं जाने देगा।'

रामास्वामी ने प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली को 'कठपुतली' कहते हुए कहा, 'अब, वही कुछ लोग अरबपति ट्रंप के खिलाफ मुकदमों की फंडिंग कर रहे हैं, जो निक्की हेली को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। वे निक्की की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वे इसे ट्रम्प और हेली के बीच दो-घोड़ों की दौड़ तक सीमित करना चाहते हैं। वे ट्रम्प को खत्म करना चाहते हैं, और अपनी कठपुतली को व्हाइट हाउस में ले जाना चाहते हैं। हम उस जाल में नहीं फंस सकते।

देश 'नई सोच' के साथ आगे बढ़े इसके लिए तीर चुनाव चिन्ह पर वोट करे: जरदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने आम चुनाव में लोगों से उनकी पार्टी के चुनाव चिह्न 'तीर' पर 'मोहर' लगाने की अपील की है, ताकि देश 'नई सोच' के साथ आगे बढ़ सके। श्री बिलावल ने अपील पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अपने प्रतिष्ठित बल्ले चुनाव चिह्न के लिए अदालती लड़ाई हारने के बाद की। हार के बाद पीटीआई के उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। पार्टी ने श्री जरदारी को प्रधानमंत्री पद के लिए आधिकारिक तौर पर दल का उम्मीदवार घोषित किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पीपीपी की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) ने आम चुनाव के लिए बुधवार को पार्टी के प्रचार अभियान पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र पर चर्चा की गई जिसमें युवाओं, महिला सशक्तीकरण, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने का फैसला किया गया है।

श्री बिलावल ने बलूचिस्तान के डेरा मुराद जमाली में रैली को संबोधित कर कहा, अब केवल दो पार्टियां बची हैं। आपको पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) के बीच फैसला करना होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को यह निर्धारित करने के लिए अपने वोट का उपयोग करना होगा कि क्या वे वही राजनीति जारी रखना चाहते हैं या 'नई सोच' कायम रखना चाहते हैं।

उन्होंने पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ पर निशाना साधकर कहा, आपको यह तय करना होगा कि क्या आप देश का भाग्य उस व्यक्ति के हाथों में देना चाहते हैं, जो तीन बार प्रधानमंत्री रहा लेकिन देश के लिए कुछ भी करने में विफल रहा। अथवा आप ऐसी पार्टी को मौका देना चाहते हैं जो देश को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सभी को साथ लेकर चले? श्री जरदारी ने कहा कि पीपीपी ने राजनीति की और 'गरीबों के लिए' चुनाव लड़ा, जबकि पीएमएल-एन सुप्रीमो चुनाव में भाग ले रहे थे ताकि उन्हें जेल जाने से बचाया जा सके। उन्होंने ने कहा, मैं केवल इसलिए चुनाव लड़ रहा हूं ताकि आपको, जनता को और पाकिस्तान के भविष्य को उन लोगों से बचा सकूं। उन्होंने कहा, आठ फरवरी के चुनाव में कोई बल्ला नहीं होगा और मुकाबला पीएमएल-एन और पीपीपी के चुनावी प्रतीकों क्रमशः बाघ और तीर, के बीच होगा। श्री जरदारी ने कहा कि अगर देश पीपीपी के पक्ष में मतदान करता है, तब पार्टी बलूचिस्तान के मुद्दों को ठीक करने के लिए ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन को पूरा करने करने का वादा करती है।

संपादकीय

सर्दी और कोहरा

जब उत्तर भारत में घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी का क्रम जारी है, तब सचेत व तैयार रहना समय की मांग है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में शीतलहर की स्थिति है। बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड में भी कोहरा छाया हुआ है। पूर्वोत्तर में भी कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। हालांकि, दक्षिण भारत के ज्यादातर इलाकों में बारिश और शुष्क मौसम की स्थिति बनी हुई है। उत्तर भारत में सर्दी की वजह से न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं। अभी ठंड की वजह से जान गंवाने वालों के आंकड़े सामने नहीं आए हैं, पर अस्पतालों में रोगियों की संख्या बढ़ गई है। बेघर गरीबों और बुजुर्गों को सर्दी की वजह से ज्यादा तकलीफ हो रही है, तो यह समाज के लिए संवेदना का समय है। क्या ठंड अब ज्यादा चुभने लगी है? क्या इसके लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है? वैज्ञानिकों का मानना है कि अत्यधिक ठंड के लिए जलवायु परिवर्तन सीधे तौर पर जिम्मेदार है। जलवायु परिवर्तन के चलते दुनिया भर में औसत और अत्यधिक तापमान, दोनों में वृद्धि हो रही है। पूरी दुनिया में मौसम का ढर्रा बदल रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ध्रुवीय भंवर जैसे पारंपरिक मौसम पैटर्न बाधित होते हैं। इससे ध्रुवीय भंवर या अत्यधिक ठंड का प्रसार दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में हो सकता है। मतलब, आर्कटिक की सर्दी बाकी दुनिया में फैल सकती है और शायद फैलने भी लगी है। कुछ अध्ययनों से यह पता चलता है कि अत्यधिक ठंड अत्यधिक गरमी की तुलना में अधिक घातक होती है। द लांसेट ने साल 2021 में नौ देशों में लगभग 6.50 करोड़ मौतों का अध्ययन करके यह पाया कि 2019 में उन सभी देशों में औसत ठंड के चलते होने वाली मृत्यु दर गरमी के कारण होने वाली मृत्यु दर से अधिक हो गई है। साल 2022 के एक अध्ययन में पाया गया कि 1969 और 2017 के बीच स्विट्जरलैंड में गरमी से संबंधित मृत्यु दर कुल मृत्यु दर का केवल 0.28 प्रतिशत थी, जबकि ठंड से संबंधित मृत्यु दर कुल मृत्यु दर का 8.91 प्रतिशत। मतलब, अत्यधिक ठंड जानलेवा हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए, जो बेघर हैं या जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। ऐसे देशों में सर्दी काल बनकर कहर बरपा सकती है, जहां महंगाई ज्यादा है या जो संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं। मौसम की यह मार साफ संकेत करती है कि हमें मौसम की अति से बचने के लिए, पृथ्वी व पर्यावरण की रक्षा के लिए ईमानदारी से उपाय करने पड़ेंगे। श्रीनगर का माइनस पांच तापमान हो या पटना का 10 डिग्री सेल्सियस, हर स्थिति में हमें गरीबी और अभाव से बचने की जरूरत है और पहले की तुलना में अपने कमरे को गरम रखने की जरूरत भी बढ़ती जा रही है। कई जगह केवल रजाई ओढ़कर सर्दी से नहीं बचा जा सकता। अभी मौत के आंकड़े सामने नहीं आ रहे हैं, किंतु यह तथ्य और पिछले अनुभव हैं कि सर्दी की वजह से हृदय रोगियों पर सर्वाधिक संकट मंडराने लगता है। अतः हृदय रोगियों को सावधान रहना चाहिए और बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलना चाहिए। एक शोध यह भी सामने आया है कि माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए यह बेहद चुनौतीपूर्ण मौसम है। कुल मिलाकर, सर्दी की सिरदर्दी आने वाले कुछ दिनों तक बनी रहेगी। सरकारी निकायों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को भी पूरे इंतजामों के साथ मुस्तैद रहना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वैज्ञानिक सोच के लिए जरूरी विज्ञान कांग्रेस

दिनेश सी. शर्मा

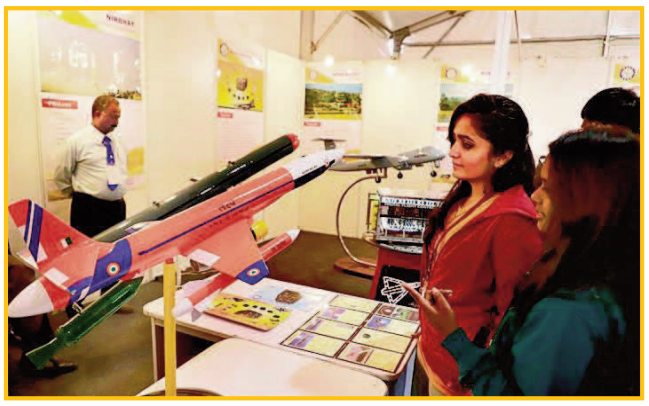

आमतौर पर जनवरी माह का पहला सप्ताह भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण समय होता है। यह वह वक्त है जब विशाल सालाना आयोजन - भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का अधिवेशन होता है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करते हैं और देशभर से आये हजारों वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं। लेकिन जनवरी, 2024 अलग रहा। जब न केवल जालंधर के पास स्थित एक यूनिवर्सिटी ने आखिरी वक्त पर इसकी मेजबानी करने से हाथ खींच लिए और वजह बताई 'अनदेखी चुनौती' बल्कि आयोजन के लिए धन मुहैया करवाने वाली केंद्र सरकार ने भी। इससे मजबूरन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन ने अब यह आयोजन रद्द कर दिया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस एक नायाब मंच है। जहां अन्य वैज्ञानिक सम्मेलन किसी विशेष विषय के दायरे में होते हैं, जिनमें चुनींदा शीर्ष वैज्ञानिक भाग लेते हैं, वहीं आईएससी अधिवेशन बहु-विषयक है और इसमें भाग लेने का मौका तमाम नियमित विज्ञान विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए खुला होता है। यह विज्ञान नीति निर्धारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श करने और सरकार को सुझाव देने का मंच रहा है। इस प्रकार के सुझाव नीतियों को स्वरूप देने में मददगार रहे, यहां तक कि नए सरकारी विभागों का सृजन भी संभव हुआ, मसलन, पर्यावरण विभाग, जिसने आगे चलकर मंत्रालय का स्वरूप लिया, और सागर विभाग जो वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान के नाम से जाना जाता है। सबसे ऊपर, आईएससी विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त जिज्ञासा की ललक को बढ़ाने का काम करती रही। 1914 में अपनी स्थापना के साथ, आईएससी के वार्षिक अधिवेशन कोविड महामारी से बनी रुकावट के दौर के अलावा, बिना नागा होते रहे। विज्ञान कांग्रेस की गाथा और भारत में आधुनिक विज्ञान की उन्नति आपस में गुंथी रही है। आईएससीए की स्थापना भारत में कार्यरत दो ब्रिटिश शिक्षाविदों - कैनिंग कॉलेज, लखनऊ के प्रो. पीएस मैकमोहन और प्रेसिडेंसी कॉलेज, मद्रास के प्रो. जेएल साईमनसन का मूल विचार था। इसकी प्रेरणा उन्हें ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एडवांसमेंट ऑफ साइंस से मिली। उद्देश्य था, जो लोग विशुद्ध एवं कार्यकारी विज्ञान में रुचि लेते हों, उन्हें साझा मंच प्रदान करना और समाज के साथ विज्ञान का राब्ता बनाना। यह पहला ऐसा मंच था जहां गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान और जीव-विज्ञान से जुड़े लोग आपस में मिलते और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करते। इस प्रकार की बैठकों को ध्यान में रखकर, सालों तक, नये वैज्ञानिक समाज और व्यावसायिक संस्थानों का उद्भव हुआ- नतीजा रहा समरस भारतीय वैज्ञानिक समुदाय। राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के कुछ आलोचक कहते हैं कि यह मंच अपनी प्रासंगिकता गंवा चुका है और अभी भी सदी पुरानी रिवायत और प्रारूप में जकड़ा हुआ है। हालांकि इस प्रकार की धारणा सही नहीं है और यह आईएससी के उस क्रमिक विकास को झुठलाना है, जिसने भारत में विज्ञान की उन्नति के विभिन्न चरणों के साथ अपनी गति बनाए रखी। पहला चरण था 1914-1947 का, जब भारतीय साइंसदानों और भारत में स्वरूप ले रहे विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं में कार्यरत यूरोपियन वैज्ञानिकों के बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान काफी रहा। आईएससी अधिवेशनों में प्रस्तुत सभी खोज-पत्रों की प्रतिद्वंद्वी-मीमांसा होती, जिससे वैज्ञानिक कार्य का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने के सिद्धांत का उद्भव हुआ। भारत में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का प्रकाशन भी आईएससी का एक उप-उत्पाद है। मेघनाद साहा द्वारा स्थापित 'साइंस एंड कल्चर' पत्रिका इसका एक प्रमुख उदाहरण है। 1930 के दशक के आखिर में, जब स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ने लगा और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भावी भारत को लेकर योजनाओं की रूपरेखा बनानी शुरू की, तो तीव्र औद्योगिकीकरण एवं सामाजिक दायित्व के जरिये राष्ट्रीय विकास के लिए नूतन विचारों के लिए आईएससी एक सार्थक मंच बना। यह 1937 का अधिवेशन था जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने संबोधन में ये कालजयी पंक्तियां कहीं 'विज्ञान युग की आत्मा है और आधुनिक संसार का सिरमौर अवयव। भविष्य विज्ञान का है और उनका, जो विज्ञान से दोस्ती रखना चाहेंगे और समाज की तरक्की के लिए इसकी मदद लेना चाहेंगे'। वे 1947 में आईएससी के जनरल प्रसिडेंट बने और 1964 में अपने देहांत तक प्रत्येक सालाना अधिवेशन को संबोधित करते रहे। इसके बाद से, वैज्ञानिक समुदाय और आईएससी में अपना संबोधन देना सत्तासीन प्रधानमंत्री के लिए एक रिवायत बन गई और उन्होंने इस अवसर का इस्तेमाल अक्सर महत्वपूर्ण नीतिगत घोषणाओं के लिए किया। आजादी उपरांत जैसे-जैसे राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं और अनुसंधान परिषदें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई, आईएससी भी नए चरण में दाखिल हुई। वैज्ञानिक अनुसंधान का मंच बने रहने के अलावा यह योजनाओं, खाद्य संकट और स्वास्थ्य विकास जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श का सम्मेलन रही। समय के साथ, विश्वविद्यालय व्यवस्था से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं के अलावा, वे लोग जो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक विभागों से संलग्न थे, परिचालन पर उनका दबदबा बनने लगा। अनुशासन-विषयक व्यावसायिक समुदाय विकसित हुए और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियां अगले कुछ सालों में परिपक्व हुईं, वैज्ञानिक खोज-पत्र आईएससी मंच की बजाय व्यावसायिक संस्थानों की बैठकों में पेश करने की वजह से इसकी चमक कुछ फीकी पड़ने लगी। वर्तमान में विज्ञान में बनी विविधता, उच्च विशेषज्ञता एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति के चलते, आईएससी के लिए यह मानना अयथार्थवादी होगा कि वह शोधपत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए साइंसदानों की पहली पसंद बने। अतएव, पिछले सालों में, वैज्ञानिक समुदाय में बहुतों को महसूस हो रहा है कि आईएससी केवल एक मेला बनकर रह गई है। स्थानीय आयोजकों द्वारा प्रवेश को आसान बनाने की कमजोरी का फायदा उठाकर, आईएससी सत्रों में गैर-वैज्ञानिक तत्वों की घुसपैठ देखने को मिली है। तथापि, बहु-विज्ञान धाराओं में अपने ज्ञान को अन्य से साझा करने के इच्छुक वैज्ञानिक, युवा साइंसदानों एवं उभरते वैज्ञानिकों व अपने समकक्षों से संवाद करने के लिए आईएससी को उपयोगी पाते हैं। प्रमुख अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त, भारत में बहुत से विश्वविद्यालय एवं कॉलेज हैं, जहां विज्ञान पढ़ाया जाता है, चूंकि उनके छात्र और अध्यापक चोटी के व्यावसायिक संस्थानों एवं शिक्षा जगत के सदस्य नहीं हैं लिहाजा अपने शोध पत्र की प्रस्तुति और चोटी के वैज्ञानिकों और नीति-निर्धारकों से संवाद के लिए उन्हें आईएससी की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार विजेता तक आईएससी सत्रों को संबोधित करते आए हैं और वे प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत व सबसे बड़ा आकर्षण होते हैं। इन तमाम वजहों के चलते, आईएससी का बने रहना और पुनर्नवीनीकरण किया जाना जरूरी है। कई मर्तबा जब हम सोशल मीडिया के जरिये छद्म-विज्ञान का उद्भव होते देखते हैं, तब हमें आईएससी जैसे और मंचों की जरूरत है ताकि वैज्ञानिक सोच बनाने को बढ़ावा मिले और विज्ञान-विरोधी प्रवृत्तियों का प्रतिरोध हो पाए। केंद्रीय सरकार की भी जवाबदेही बनती है कि क्योंकर विज्ञान एवं तकनीक विभाग ने आईएससी आयोजन को वित्तीय मदद देना बंद कर दिया है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

प्रकृति को समर्पित मकर संक्रांति महापर्व

(लेखक-डॉ राघवेंद्र शर्मा)

सनातन से उत्पन्न भारतीय संस्कृति का बारीकी से अध्ययन किया जाए तो हम पाएंगे कि यह व्यावहारिकता और ज्ञान विज्ञान के साथ गुंथी हुई है। यही कारण है कि भारतीय संस्कारों में जितने भी पर्व अथवा महापर्व हैं, उनका मनुष्य जीवन में व्यापक प्रभाव परिलक्षित है। मनुष्य कैसे स्वस्थ रहे, उसे किस प्रकार महान आदर्शों का स्मरण बना रहे, वह किस प्रकार ऊर्जावान हो सकता है, इस बात की चिंता भारतीय त्यौहारों में नियम आदि निश्चित करते समय की गई है। मकर संक्रांति पर्व भी एक प्रकार से प्रकृति से जुड़ा हुआ महापर्व ही है। यह बात और है कि सदैव ही भारतीय संस्कारों में नकारात्मकता ढूंढने वाले लोग इसे एक दाकियानूसी, रूढ़िवादी परंपरा ही करार देते हैं। परंतु गौर से देखें तो मकर संक्रांति महापर्व भगवान सूर्यनारायण की पूजा अर्चना का पर्व है। यह मानव मात्र के स्वास्थ्य वर्धन का महापर्व है। यह प्रकृति के परिवर्तन के साथ समायोजित होने का त्यौहार है। सर्व विदित है और शास्त्र बताते हैं कि वास्तव में सूर्य नारायण श्री भगवान सत्यनारायण का ही अंश हैं। उन्हीं से ऊर्जा का प्रादुर्भाव है और ऊर्जा प्राण अथवा आत्मा का मूल तत्व है । यदि सरल भाषा में कहें तो सूर्य से ही जीवन है और उसके बगैर चेतन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। यही वजह है कि भगवान सूर्य नारायण को भी परमपिता परमात्मा के समान ही पूजा उपासना योग्य मान्यता प्राप्त है। इन सभी धारणाओं को इस व्यवहार से भी पुष्टि प्राप्त होती है कि सूर्य नारायण मकर संक्रांति से पूर्व तक दक्षिणायन रहते हैं। अर्थात उनकी गति धीमी रहती है और तेज न्यूनतम बना रहता है। फल स्वरुप समूचे ब्रह्मांड में शीत लहर और ठंडा मौसम का प्रभाव बना रहता है। किंतु मकर संक्रांति के दिन से सूर्य नारायण उत्तरायण हो जाते हैं। उनकी गति तीव्र हो जाती है तथा तेज ओजपूर्ण हो जाता है। फल स्वरुप मौसम गर्म होने लगता है और शनैः - शनैः दिन बड़े होने लगते हैं। इसे मौसम का संक्रमण काल भी कहा जाता है। यानि कि मकर संक्रांति के पूर्व से जो मौसम ठंडा होता है वह गर्मी में परिवर्तित होने लगता है। यह सूर्य की गति और दिशा बदलने का द्योतक है। यही वजह कि मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है। इस दिन तिल का सेवन करने, उसके माध्यम से स्नान आदि करने का विधान भी है। जहां तक खानपान की बात है तो हमारे वेद शास्त्रों में आयुर्वेदिक लिखित सत्य है कि तिल का प्रभाव उष्णीय होता है। इसके शरीर पर घर्षण से सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। यह पोखर, तालाबों, नदियों के जल का स्पर्श पाकर स्वास्थ को अनुकूलता एवं सकारात्मकता प्रदान करती है। यही कारण है कि हिंदू धर्म को मानने वाले लोग मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों, तालाबों के इर्द-गिर्द एकत्रित होते हैं। वहां तिल के द्वारा शरीर का घर्षण किया जाता है। तदोपरांत निर्मल जल द्वारा स्नान करके भगवान सूर्य को र्घ्य प्रदान करते हुए भगवान की उपासना की जाती है । उपरोक्त क्रियाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे ऋषि मुनियों एवं धर्म शास्त्रों में मानव मात्र के जीवन दर्शन को ऐसी परंपराओं से जोड़कर गढ़ा है, जिससे उसे निरंतर ऊर्जा, सकारात्मकता प्राप्त होती रहे। यही दर्शन मकर संक्रांति के पर्व में परिलक्षित होता है। शैव संप्रदाय के लोग मकर संक्रांति महापर्व के दौरान भगवान शिव की आराधना विशेष रूप से करते हैं। इसके पीछे का रहस्य यह बताया जाता है कि त्रिदेवों में भगवान शिव को आदि देव कहा गया है। ब्रह्मांड के संतुलन को बनाए रखने हेतु वे सदैव ही तत्पर बने रहते हैं। चूंकि मकर संक्रांति महापर्व ऋतु परिवर्तन का संधि काल है।

ऐसे में जीर्ण - शीर्ण काया के निर्बल लोगों का अस्वस्थ हो जाना एक सामान्य प्रक्रिया भी है। इन्हें काल के ग्रास से बचाया जा सके, इस हेतु देवताओं में महादेव की पूजा अर्चना को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यही कारण है कि गंभीर रोगों से स्वयं को बचाए रखने की कामना मन में धारण कर संक्रांति महापर्व के दिन भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाने का भी प्रावधान है। इस प्रकार से देखा जाए तो मकर संक्रांति का महापर्व ज्ञान विज्ञान के साथ-साथ अनुकूल प्रकृति और सुदृढ़ स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। जहां तक पूजा अर्चना की बात है तो यह जीवन में ऊर्जा का संचार करती है तथा हृदय को इस श्रद्धा प्रदान करने में सामर्थ होती है अतः यह लिखा जा सकता है कि मकर संक्रांति महापर्व सहित भारतीय संस्कारों से उत्पन्न विभिन्न त्योहारों को नियम अनुसार मानने से तन और मन दोनों को ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। फल स्वरुप जीव मात्र को धारण करने वाले सभी मानव शरीर परोपकार और सकारात्मकता को धारण किए रहते हैं।

यह भावना मानवमात्र को एकात्मता करने हेतु बेहद आवश्यक है। सभी भारतवासियों को मकर संक्रांति महापर्व की शुभकामनाएं।

विचार मंथन

मौत तक ले जा रहा है आर्थिक और पारिवारिक तनाव

(लेखक- सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय समुदाय में आर्थिक और पारिवारिक तनाव में भारी वृद्धि हुई है। जिसके कारण सभी वर्गों के लोगों में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके साथ ही कई ऐसी बीमारियां तनाव के कारण उत्पन्न हुई है। जिसके कारण बच्चों और युवाओं की मौत का कारण भी बनने लगी है, यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे यदि आत्महत्या करने लगे, तो इससे बड़ा और कोई दुर्भाग्य नहीं हो सकता है। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों में आर्थिक कारणों और पढ़ाई में पिछड़ने के दबाव में आत्महत्या करने के कई मामले आए दिन सामने आते हैं। आर्थिक कारणों से पति-पत्नी और बच्चों सहित आत्महत्या करने की हजारों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। युवाओं में भी अपनी पढ़ाई और करियर को लेकर जिस तरीके का दबाव बना है। जिस तरह के तनाव से युवा गुजर रहे हैं। बहुत कम उम्र में युवाओं की हार्ट फेल होने के कारण मौत हो रही है। मानसिक दबाव बच्चों और युवाओं में इतना बढ़ गया है। जिसके कारण कई तरह की मानसिक बीमारियां देखने को मिल रही है।बचपन और युवा अवस्था के बड़े-बड़े सपने होते हैं। सपनों के सहारे आगे बढ़ना,खेलना कूदना और खिलखिलाना युवाओं और बच्चों का सबसे बड़ा गुण होता है। आर्थिक एवं पारिवारिक दबाव के कारण अब मानसिक रूप से वह बीमार हो रहे है। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चे अपने होमवर्क को पूरा नहीं कर पाने के कारण जब आत्महत्या करने लगते हैं। तब यह चिंता का सबसे बड़ा कारण होना चाहिए। इस तरह की घटनाओं पर, जब सामाजिक और सरकारी स्तर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं होती है, तो यह चिताओं को बढ़ाने वाली स्थिति है। हम पूंजीवादी युग में चलकर हर चीज को पूंजी से जुटाना चाहते हैं। जीवन जीने में,अब आर्थिक पक्ष बड़ा महत्वपूर्ण हो गया है।पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। इसका असर प्रत्येक परिवार में देखने को मिल रहा है। कर्ज लेकर जरूरत को पूरा करना भारतीय सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन गया है। कर्ज और ब्याज के बोझ में दबकर लाखों परिवार भारी तनाव से गुजर रहे हैं। समाचार पत्रों में रोजाना हर जिले में आत्महत्या के समाचार बहुत आयत में देखने को मिलते हैं। भारत में सबसे ज्यादा युवा हैं। इन युवाओं में रोजगार और करियर को लेकर भारी तनाव देखने को मिल रहा है। पिछले एक दशक में सरकारी नौकरियां लगभग लगभग खत्म हो गई हैं। संविदा के आधार पर कुछ नौकरियां जरूर मिल रही हैं। सेना, पुलिस, बैंक, शिक्षण संस्थानों में नौकरियां लगभग खत्म हो चुकी हैं। जो भी भर्ती हो रही है, वह संविदा में हो रही है। संविदा में मिली नौकरी हमेशा अनिश्चय में रहती है। कब चली जाएगी, यह भी पता नहीं होता है। पारिश्रमिक भी इतना कम मिलता है। उससे परिवार और अपने खर्चों को पूरा कर पाना संभव नहीं होता है। जिसके कारण युवाओं में भारी गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। हताशा में वह आत्महत्या जैसे कदम उठाकर अपने जीवन को समाप्त कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और डॉक्टरों के पास बड़ी संख्या में मानसिक रोगी पहुंच रहे हैं। इसमें बच्चों और युवाओं की भारी संख्या है। पिछले एक दशक में मानसिक रोगियों की संख्या भारत में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसका एकमात्र आर्थिक कारणों से परिवार में जो दबाव है। उसके कारण पूरा परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, धर्मगुरुओं और सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है, बदलते हुए इस परिवेश में, तनाव से कैसे आम जनता को बचाया जा सके। बच्चों और युवाओं को तनाव से किस तरीके से दूर रखा जाए। जीवन किस ढंग से जिया जाए, इसके बारे में भरोसा दिलाने की जरूरत है। वर्तमान अर्थव्यवस्था में जिस तरीके के आर्थिक दबाव से अधिकांश परिवार गुजर रहे हैं। आर्थिक कारणों से तरह-तरह की घटनाएं हो रही हैं। वाहन चालक, वाहन चलाते-चलाते हार्ट अटैक और हार्टफेल के शिकार हो रहे हैं। वाहनों में बैठी हुई सवारियां भी दुर्घटना की शिकार हो रही हैं। मानसिक तनाव के कारण अपराधिक घटनाएं भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। सवाल है, कि मानसिक तनाव बढ़ाने वाले कारणों को किस तरह रोका जाए। इसके लिए यदि सामूहिक प्रयास नहीं किए गए, तो भविष्य में इसके बहुत खराब परिणाम देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पढ़ाई को लेकर, जो दबाव बच्चों को झेलना पड़ रहा है।उस दबाव को कम करने की तरफ ध्यान देना होगा। युवाओं को रोजगार मिले, महंगाई को नियंत्रित किया जाए। उधार की इकोनॉमी से पूंजीवादी व्यवस्था के जो दुष्परिणाम झेलने पड़ रहे हैं। उस पर नियंत्रण करने की जरूरत है। केंद्र एवं राज्य सरकारों मे नौकरी के करोड़ों पद खाली पड़े हुए हैं। सरकार नियमों और कानून में परिवर्तन लाकर, निजी क्षेत्र को काम सौंप रही है। सरकारी नौकरियां पिछले एक दशक से लगभग बंद है।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं।

पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित - इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी - कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड - झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति - रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

दिसंबर में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 0.73 प्रतिशत पर

नई दिल्ली । खाद्य पदार्थों, खासकर सब्जियों तथा दालों की कीमतों में तेज उछाल से थोक मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 0.73 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार वस्तुओं, मशीनरी तथा उपकरण, विनिर्माण, परिवहन अन्य उपकरण तथा कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों आदि की कीमतों में वृद्धि दिसंबर 2023 में थोक मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी का कारण रही। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 9.38 प्रतिशत रही, जो नवंबर में 8.18 प्रतिशत थी। दिसंबर में सब्जियों की महंगाई दर 26.30 प्रतिशत, जबकि दालों की महंगाई दर 19.60 प्रतिशत थी। पिछले सप्ताह जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर के लिए खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को स्थिर रखा था। साथ ही नवंबर और दिसंबर में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने के जोखिमों को चिह्नित किया था।

नई सॉनेट 7.99 लाख रुपये की कीमत में पेश

-नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं मौजूद

नईदिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी किआ ने अपनी सबसे प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी - नई सॉनेट को देश भर में 7.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होने वाली विशेष प्रारंभिक कीमत पर पेश किया है। किआ के दूसरे सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन के इस नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं दी गई है, जिसमें 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं वाला उत्कृष्ट एडैस और मजबूत 15 हाई-सेफ्टी विशेषताएं शामिल हैं। नई सॉनेट में 70 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं हैं, जैसे कि फाइंड माइ कार विद एसवीएम, जो सॉनेट का सबसे आरामदायक ड्राइव बनाने के लिए कार के आसपास का दृश्य प्रदान करता है और हिंग्लिश कमांड देता है। नई सॉनेट 19 अलग-अलग वेरिएंट में अपनी उपलब्धता के साथ विविध प्रकार के ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है, जिसमें 9.79 लाख रुपये से शुरू होने वाले 5 डीजल मैनुअल वेरिएंट भी शामिल हैं। 10 ऑटोनॉमस फंक्शन की विशेषता वाला सेगमेंट का बेस्ट एडैस लेवल 1, डीजल और पेट्रोल दोनों इंजन के लिए टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में उपलब्ध है। पेट्रोल में जीटी लाइन और एक्स-लाइन वेरिएंट की कीमत क्रमशः 14.50 और 14.69 लाख रुपये, और डीजल की कीमत 15.50 और 15.69 लाख रुपये है। नई मस्कुलर और स्पोर्टियर सॉनेट एक अपराइट बॉडी स्टाइल के साथ सड़क पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति बरकरार रखती है। फ्रंट कलिजन-अवॉइडेंस असिस्ट, लीडिंग व्हीकल डिपार्चर अलर्ट और लेन फॉलोइंग असिस्ट जैसी 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं से भरपूर, इस लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का यह नवीनतम संस्करण आधुनिक भारतीय ग्राहकों के व्यक्तित्व से गहराई से मेल खाता है। सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव देने के लिए, इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट सहित, सभी वेरिएंट में मजबूत 15 हाई-सेफ्टी फीचर मानक तौर पर दिए गए हैं। सॉनेट में इस पेशकश के साथ, किआ ने अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 6 एयरबैग मानक बना दिए हैं। इसके अलावा, सॉनेट में 10 बेस्ट-इन-सेगमेंट सुविधाएं दी गई है, इसमें डुअल स्क्रीन कनेक्ट पैनल डिज़ाइन, रियर डोर सनशेड कर्टेन, और सुरक्षा के साथ ऑल डोर पावर विंडो वन-टच ऑटो अप/डाउन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। निकटतम प्रतिस्पर्धियों की तुलना में, नई सॉनेट में कम से कम 11 फायदेमंद सुविधाएं हैं और यह तकनीकी रूप से सबसे उन्नत और सुविधा से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी है। नई सॉनेट में अब एक नई ग्रिल और नए बम्पर डिजाइन, क्राउन ज्वेल एलईडी हेडलैंप के साथ एक उन्नत फ्रंट फेस, आर16 क्रिस्टल कट अलॉय व्हील और स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप दिए गए हैं।

आईटी कंपनियों में उछाल के बाद सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी नए शीर्ष पर

मुंबई ।

आईटी कंपनियों के शेयरों में तेज उछाल के कारण लगातार दूसरे दिन घरेलू शेयर बाजारों के मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को कारोबार के दौरान अपने नए शीर्ष पर पहुंच गए। बीएसई सेंसेक्स 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ पहली बार 73,000 के स्तर के पार पहुंचा। वहीं, निफ्टी50 भी इंट्राडे में 22,000 के नए शिखर पर पहुंच गया। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 759 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 215 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 38,162 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया और बीएसई स्मॉलकैप 44,872 पर पहुंच गया। दोनों सूचकांक क्रमशः 0.67 प्रतिशत और 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 759.49 अंक की भारी बढ़त के साथ 73,327.94 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सोमवार को 72,909.00 और 73,402.16 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 215.90 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,110.45 अंक पर बंद

हुआ। निफ्टी में सोमवार को 21,963.55 और 22,115.55 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारत और नेपाल की अनधिकृत कारोबार से निपटने को लेकर बैठक हुई

काठमांडू ।

भारत और नेपाल ने अनधिकृत व्यापार से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक हुई जिसमें दोनों देशों ने परस्पर निवेश बढ़ाने और वाणिज्यिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए रणनीतियों की समीक्षा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी एक बयान के अनुसार व्यापार, पारगमन और अनधिकृत व्यापार से निपटने पर सहयोग पर भारत-नेपाल अंतर-सरकारी उप-समिति (आईजीएससी) ने भी भारत और नेपाल के बीच निर्बाध सीमा पार संपर्क को मजबूत करने का आह्वान किया। इसमें नए एकीकृत नाके और रेलवे लिंक का निर्माण भी शामिल है। बैठक में भारतीय पक्ष ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देने के लिए पेरिस सम्मेलन के प्रावधानों के अनुसार एक बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) व्यवस्था की जरूरत पर भी जोर दिया। बयान में कहा गया` कि दोनों पक्षों ने दवा और आयुर्वेदिक उत्पादों के लिए आपसी बाजार पहुंच सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की।

सर्वश्रेष्ठ देशों के वैश्विक सूचकांक में भारत को 35वां स्थान, ब्रिटेन शीर्ष पर

दावोस ।

भविष्य की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए सर्वश्रेष्ठ देशों के वैश्विक सूचकांक में भारत को 35वां स्थान दिया गया है, जबकि इस सूची में ब्रिटेन शीर्ष पर है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से इतर न्यूजवीक वैटेज और होराइजन समूह ने सोमवार को फ्यूचर पॉसिबिलिटीज इंडेक्स (एफपीआई) जारी किया। शीर्ष पांच में ब्रिटेन के बाद डेनमार्क, अमेरिका, नीदरलैंड और जर्मनी हैं। बड़े उभरते बाजारों में चीन इस साल 19वें स्थान पर है। वहीं ब्राजील 30वें, भारत 35वें और दक्षिण अफ्रीका 50वें स्थान पर रहा। अध्ययन में उन कारकों की तुलना की गई जो सरकारों, निवेशकों तथा अन्य निजी क्षेत्र के हितधारकों को 70 देशों में वृद्धि और कल्याण के लिए छह वैश्विक परिवर्तनकारी रुझानों का लाभ उठाने में मदद करेंगे। एक्साबाइट इकोनॉमी (उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियां), वेलबीइंग इकोनॉमी (स्वास्थ्य रोकथाम व कल्याण), नेट जीरो इकोनॉमी (कार्बन उत्सर्जन में कमी), सर्कुलर इकोनॉमी (पुनर्चक्रण व पुन- उपयोग), बायोग्रोथ इकोनॉमी (खाद्य व कृषि नवाचार) और एक्सपीरियंस इकोनॉमी (भौतिक वस्तुओं के बजाय अनुभवों की खपत) ये छह वैश्विक परिवर्तनकारी रुझान हैं। अध्ययन में कहा गया कि सभी छह रुझानों में 2030 तक संयुक्त रूप से 44000 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की व्यापार संभावनाओं का अनुमान है, जो 2023 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से अधिक है।

निफ्टी के 22 हजार अंक पार करने के बाद ब्रोकरेज फर्मों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

नई दिल्ली।

निफ्टी सोमवार को 22,000 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद ब्रोकरेज फर्मों ने निवेशकों से सावधानी बरतने की सलाह दी है, साथ ही कहा है कि स्मॉल-कैप में मुनाफावसूली हो सकती है।एक्सिस सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ प्रणव हरिदासन ने कहा कि इस महीने निफ्टी रैली में आईटी सेक्टर का काफी योगदान है और सस्ते वैल्यूएशन के साथ अच्छे नतीजों के कारण पिछले दो कारोबारी सत्रों में इसमें काफी तेजी आई है। हरिदासन ने कहा, लेकिन अब कुछ हद तक सावधानी बरतने की ज़रूरत है। कई बार ऐसी तेज़ रैली टिक नहीं पाती है। हमारा मानना है कि निकट अवधि का दृष्टिकोण सतर्क रहने का है और मुनाफावसूली का टाइम है, खासकर स्मॉल-कैप में। सैमको

म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर पारस मटालिया ने कहा, पिछले कैलेंडर वर्ष में केवल 10 नए 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर देखे गए, जबकि 2024 के कैलेंडर वर्ष में 29 नए 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर आए। आज बाजार फिर से अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर खुले, जो कैलेंडर वर्ष 2024 के केवल 15 दिनों में दूसरा नया ऑल टाइम हाई प्वाइंट है। यह बताता है कि यह अब एक परिपक्व बाजार की तरह उभर रहा है। निवेशकों को इस तेजी की सवारी करनी चाहिए, लेकिन कमज़ोरियों पर कड़ी नज़र रखते हुए। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, खर्च में वृद्धि और मजबूत डील के बारे में बढ़ती उम्मीदों के साथ आईटी सूचकांक में तेजी के कारण बाजार में उछाल आया है। अमेरिकी बांड में रिटर्न कम हो गया है क्योंकि फेड की दरों में कमी का चक्र मार्च में शुरू होने की उम्मीद है।

इस हफ्ते चीन की जीडीपी और यूके मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से निवेशकों के अधिक सावधानी बरतने की संभावना है।

वैश्विक आर्थिक मंदी तीन दशकों में सबसे निचले स्तर पर : वैश्विक रिपोर्ट

दावोस ।

मौजूदा आर्थिक तथा भू-राजनीतिक झटकों के बीच वैश्विक आर्थिक वृद्धि के 2030 तक तीन दशकों में उसके सबसे` निचले स्तर पर गिरने का अनुमान है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। विश्व नेताओं की अपनी वार्षिक बैठक से पहले यहां फ्यूचर ऑफ ग्रोथ 2024 रिपोर्ट जारी करते हुए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा कि मंदी जलवायु संकट तथा कमजोर होते सामाजिक अनुबंध सहित कई परस्पर जुड़ी वैश्विक चुनौतियों को और बढ़ा रही है, जो संयुक्त रूप से वैश्विक वृद्धि में प्रगति को उलट रही हैं। रिपोर्ट में आर्थिक वृद्धि के लिए एक नए दृष्टिकोण का आह्वान किया गया जो दीर्घकालिक स्थिरता तथा समानता, गति तथा गुणवत्ता की जांच के साथ दक्षता को संतुलित करे। रिपोर्ट के अनुसार 107 अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की गुणवत्ता का विश्लेषण करते हुए पाया गया कि उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं नवाचार तथा समावेशन पर सबसे अच्छा प्रदर्शन करती हैं, जबकि कम आय वाली अर्थव्यवस्थाएं स्थिरता पर। डब्ल्यूईएफ की प्रबंध निदेशक सादिया ज़ाहिदी ने कहा` कि प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक वृद्धि बहाल करना आवश्यक होगा। हालांकि केवल वृद्धि ही पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा` कि रिपोर्ट आर्थिक वृद्धि का आकलन करने के लिए एक नए तरीके का प्रस्ताव रखती है जो दीर्घकालिक स्थिरता, लचीलेपन तथा निष्पक्षता के साथ-साथ वैश्विक तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए भविष्य के लिए नवाचार के साथ दक्षता को संतुलित करता है। डब्ल्यूईएफ ने अपनी फ्यूचर ऑफ ग्रोथ पहल भी शुरू की। इस दो साल की पहल का मकसद आर्थिक वृद्धि के लिए एक नई राह तैयार करना, साथ ही संतुलित वृद्धि, नवाचार, समावेशन, स्थिरता आदि के सर्वोत्तम मार्गों की पहचान करने में अर्थशास्त्रियों तथा अन्य विशेषज्ञों के साथ मिलकर दुनिया भर के नीति निर्माताओं का समर्थन करना है। रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर देश ऐसे वृद्धि कर रहे हैं जो न तो टिकाऊ और न ही समावेशी हैं।

इनकी नवाचार करने या उसका लाभ उठाने की क्षमता सीमित हैं और वैश्विक झटकों से निपटने में उनके योगदान तथा संवेदनशीलता को कम करती है।

एआई के सही इस्तेमाल से नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं: नादिर गोदरेज

दावोस ।

उद्योगपति नादिर गोदरेज ने कहा कि भारत में विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य क्षेत्र कृत्रिम मेधा (एआई) के सही इस्तेमाल से नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। यहां विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे गोदरेज ने कहा कि भारत अपने नेट जीरो लक्ष्यों को समय सीमा से पहले हासिल कर सकता है क्योंकि देश जलवायु संबंधी मामलों पर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। नेट जीरो का अर्थ है कि कोई देश वातावरण में कार्बन आधारित ग्रीनहाउस गैसों का जितना उत्सर्जन कर रहा है, उतना ही उसे सोख तथा हटा भी रहा है। यानी उसकी तरफ से वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का योगदान न के बराबर हो। गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नादिर गोदरेज ने कहा कि एआई में प्रक्रियाओं को सर्वोत्तम बनाकर विभिन्न क्षेत्रों की मदद करने की काफी क्षमता है। इसे विघटनकारी के बजाय एक सुविधा प्रदाता के रूप में देखा जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, भू-राजनीतिक तथा भू-आर्थिक चिंताएं और एआई द्वारा उत्पन्न अवसर तथा खतरे सोमवार से शुरू पांच दिवसीय डब्ल्यूईएफ वार्षिक बैठक में चर्चा के प्रमुख विषयों में से हैं। गोदरेज ने कहा कि बैठक में जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आर्थिक चिंताओं और संघर्ष आदि पर समाधान सामने आने की उम्मीद है।

लैपटॉप, टैबलेट आयात पर आंकड़ों के आकलन के बाद निर्णय लेगी सरकार: अधिकारी

नई दिल्ली ।

सरकार आयात के आंकड़ों का आकलन करने के बाद लैपटॉप और टैबलेट जैसे कुछ आईटी हार्डवेयर उत्पादों पर मौजूदा आयात प्रबंधन प्रणाली को लेकर सितंबर में निर्णय लेगी। भारत ने पिछले साल अक्टूबर में एक आयात प्रबंधन प्रणाली लागू की थी। इसके तहत इन उत्पादों के आयातकों को सरकार से मंजूरी लेनी होगी। इस प्रणाली का उद्देश्य बाजार की आपूर्ति को नुकसान पहुंचाए बिना या बोझिल लाइसेंसिंग व्यवस्था बनाए बिना देश में लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर के आयात की निगरानी करना है। आयातकों को कई अधिकृत मंजूरियों के लिए आवेदन करने की अनुमति है और ये मंजूरियां 30 सितंबर, 2024 तक वैध होंगी। ये मंजूरियां उन्हें अगले साल सितंबर तक आयात के लिए किसी भी संख्या में खेप के लिए जारी की जाएंगी। सितंबर, 2024 के बाद के परिदृश्य पर अधिकारी ने कहा` कि हम आयात की निगरानी कर रहे हैं, हम आंकड़े देख रहे हैं। इसलिए जो भी आंकड़े आएंगे, आगे के कदम उसी के आधार पर होंगे। सरकार ने एक नवंबर, 2023 को एप्पल, डेल और लेनोवो सहित कुल 111 आवेदनों में से 110 को मंजूरी दे दी, जिन्होंने नई प्रणाली के कार्यान्वयन के पहले दिन लगभग 10 अरब डॉलर के इन आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात की अनुमति मांगी थी। अधिकारी ने कहा` कि सरकार पहले ही सालाना आयात से अधिक आयात की अनुमति दे चुकी है। तो कौन सी कंपनियां हैं,

किस तरह की आपूर्ति आ रही है, निर्णय लेने से पहले इस पर गौर करना होगा। भारत इन वस्तुओं के घरेलू विनिर्माण को भी बढ़ावा दे रहा है और बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करने जैसे कई कदम उठाए गए हैं।

कोयला खदानों से उत्पादित गैस के लिए रिलायंस चाहती है न्यूनतम 10 डॉलर

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कहा है कि वह कोयला खदानों से उत्पादित होने वाली गैस के लिए न्यूनतम 10 डॉलर चाहती है। कंपनी ने बदले ऊर्जा परिदृश्य में अपने मूल्य निर्धारण सूत्र में बदलाव किया है। कंपनी ने ठेका जारी करते हुए कहा कि रिलायंस ने मध्य प्रदेश में कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) ब्लॉक एसपी (पश्चिम) सीबीएम-2001/1 से प्रतिदिन नौ लाख मानक क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन करने के लिए उपयोगकर्ताओं से बोलियां मांगी हैं। उपयोगकर्ताओं से उस प्रीमियम का उद्धरण देने के लिए कहा गया है जो वे दिनांकित ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत के 12.67 प्रतिशत से अधिक का भुगतान करने को तैयार हैं। गैस की कीमत दिनांकित ब्रेंट प्लस प्रीमियम 'वी' के 12.67 प्रतिशत से अधिक होगी या पारंपरिक गैस के लिए सरकार द्वारा घोषित मासिक मूल्य पर होगी। जनवरी के लिए सरकार द्वारा निर्धारित कीमत 7.82 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है। रिलायंस ने 'वी' की शुरुआती बोली कीमत 0.50 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट तय की है। बोलीदाताओं को 0.50 डॉलर से अधिक 'वी' बोली लगानी होगी। ब्रेंट कच्चे तेल की मौजूदा कीमत 78 डॉलर प्रति बैरल पर न्यूनतम गैस कीमत 10 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (78 डॉलर का 12.67 प्रतिशत 9.88 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है) आती है। निविदा दस्तावेज के अनुसार 31 जनवरी को ई-नीलामी की योजना है। अनुबंध की अवधि एक अप्रैल से शुरू होगी, जो एक से दो साल के लिए है।

खाड़ी में अपना परिचालन बढ़ाएगी फर्स्टक्राइ

- फर्स्टक्राइ सऊदी में 12 नए स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली ।

बच्चों के उत्पाद वाले ब्रांड फर्स्टक्राइ की मूल कंपनी ब्रेनबीज सॉल्युशंस की सऊदी अरब में अपना परिचालन बढ़ाने पर विचार कर रही है, जहां शिशु देखभाल उत्पादों पर औसत खर्च भारत के मुकाबले करीब 8 गुना है। सॉफ्टबैंक समर्थित फर्म ने दिसंबर में विवरणिका का मसौदा (डीआरएचपी) जमा कराया था और वह आईपीओ से मिलने वाले 155 करोड़ रुपये का उपयोग खाड़ी देश में परिचालन के विस्तार पर करेगी, जहां पहले से ही वह अग्रणी कंपनी है। डीआरएचपी के मुताबिक फर्स्टक्राइ की योजना सऊदी में 12 नए स्टोर खोलने पर 73 करोड़ रुपये के निवेश की है। साथ ही वह 2.5 लाख वर्गफुट का गोदाम बनाने पर 83 करोड़ रुपये लगाएगी, जिससे कंपनी को वितरण में मजबूती लाने और वहां ऑफलाइन मौजूदगी में विस्तार करने में मदद मिलेगी। भारत में फर्स्टक्राइ 936 खुदरा स्टोर का परिचालन करती है, जिसे 80 गोदामों और स्टॉकिस्टों से मदद मिलती है। कंपनी बच्चों के उत्पादों के लिए सबसे बड़ा मल्टी चैनल रिटेलिंग प्लेटफॉर्म है। सऊदी अरब में चाइल्डकेयर प्रॉडक्ट्स पर खर्च करीब 60,000 रुपये होता है जबकि भारत में करीब 8,000 रुपये। सऊदी अरब में जन्म की उच्च दर 17.5 प्रति हजार साल 2021 में थी, जो भारत में 16.4 और चीन में 7.5 है। खाड़ी सहयोग परिषद के क्षेत्र में सऊदी अरब सबसे बड़ा चाइल्डकेयर प्रॉडक्ट मार्केट है, जो साल 2022 में अनुमानित तौर पर 49,400 करोड़ रुपये का था। अनुमान है कि यह साल 2027 तक सालाना 4 फीसदी की रफ्तार से बढ़कर 59 से 63 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा। यह बढ़त ई-कॉमर्स के प्रसार में इजाफा, रोजगार की उच्च दर, बच्चों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को लेकर माता-पिता की बढ़ती जागरूकता और व्यापक विकल्प की उपलब्धता के चलते हुई है।

सोना महंगा हुआ, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोमवार को सोने के वायदा भाव 62,500 हजार रुपये और चांदी के वायदा भाव 72,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 140 रुपये की तेजी के साथ 62,502 रुपये के भाव पर खुला जो 167 रुपये की तेजी के साथ 62,529 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज तेजी के साथ हुई। एमएसएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 316 रुपये की तेजी के साथ 72,796 रुपये के भाव पर खुला जो 226 रुपये की तेजी के साथ

72,706 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं वै श्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,053.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,051.60 डॉलर था जो 7.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,058.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.35 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.32 डॉलर था, जो 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 23.42 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अफगानिस्तान को हराकर रोहित शर्मा ने की एमएस धोनी के रिकार्ड की बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंदौर में खेले गए सीरीज के दूसरे टी20 मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से पराजित कर टीम इंडिया ने सीरीज अपने नाम कर ली। वहीं रोहित शर्मा ने भी एक रिकार्ड बनाकर दिग्गज प्लेयर एमएस धोनी की बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा लगातार दूसरे मैच में बल्ले से भले ही नाकाम रहे। वहीं 14 महीने बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उतरने वाले रोहित मोहाली के बाद इंदौर में भी खाता नहीं खोल पाए। हालांकि इस दौरान टीम लगातार मैच जीतने में सफल रही। बतौर कप्तान रोहित ने दिग्गज एमएस धोनी के एक रिकॉर्ड कर बराबरी कर ली है। रोहित शर्मा की बतौर कप्तान 53 टी20 मैचों में यह 41वीं जीत है। दूसरी ओर महेंद्र सिंह धोनी ने 72 टी20 मैचों में कप्तानी करते हुए भारत को 41 मैचों में जीत दिलाई है। जानकार बता रहे हैं कि रोहित बेंगलुरु में खेले जाने वाले सीरीज के तीसरे टी20 मैच को जीतकर महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ सकते हैं।

इस तरह से रोहित 150वां टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरे थे, यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले प्लेयर बन गए हैं।

36 वर्षीय रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत की यह 12वीं टी20 सीरीज जीत है। अब रोहित शर्मा सबसे ज्यादा टी20 सीरीज जीतने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। हालांकि रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले ज्वॉइंट रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित 12वीं बार डक हुए। रोहित से पहले रवांडा के काबरे केविन करकोज और आयरलैंड के केविन ओ ब्रायन 12 बार शून्य पर पवेलियन लौट चुके हैं।

निशानेबाज योगेश सिंह ने एशियाई क्वालीफायर में जीते दो स्वर्ण

जकार्ता। (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजों का एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन जारी है और योगेश सिंह ने पुरूषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में सोमवार को व्यक्तिगत और टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। योगेश ने 573 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण जीता। ओमान के मुराद अल बालुशी (570) दूसरे और इंडोनेशिया के अनंग यूलियांतो (567) तीसरे स्थान पर रहे। भारत के पंकज यादव (567) और अक्षय जैन (564) क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। भारतीय तिकड़ी ने 1704 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। कुवैत में शॉटगन क्वालीफायर में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह को महिलाओं के ट्रैप वर्ग में पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा। वह पांच दौर में 115 अंक लेकर फाइनल में पहुंची थी लेकिन फाइनल में 19 अंक ही बना सकी। ताइपै की वान यू लियू (44) को स्वर्ण और चीन की शिकियू झांग (39) को रजत पदक मिला। कजाखस्तान की मारिया दमित्रियेंको (30) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की श्रेयसी, मनीषा कीर और भव्या त्रिपाठी ने टीम वर्ग में कुल 328 स्कोर करके रजत पदक जीता। चीन को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य मिला।

अफगानिस्तान फतह के बाद महाकाल के दर्शन करने पहुंचे रवि बिश्नोई समेत 4 खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान से जीत हासिल करने के बाद रवि बिश्नोई समेत 4 खिलाड़ी बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे। इस दौरान सभी ने भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद दिया। दर्शन के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत भी की। बता दें कि अफगानिस्तान के खिलाफ जारी तीन मैच की टी20आई सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार रात को इंदौर में खेला गया था। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी सोमवार सुबह उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में शामिल हुए। रवि बिश्नोई समेत जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और तिलक वर्मा ने इस आरती का आनंद उठाया और नंदी हॉल में बैठकर बाबा के दिव्य दर्शन किए। उनके श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब देखा जार हा है। महाकाल की आरती में शामिल होने के बाद टीम इंडिया के विकेट कीपर जितेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा मैं बाबा महाकाल का भक्त हूं और समय मिलते ही बाबा के दर्शन करने आ जाता हूं, मुझे यहां आकर अद्भुत आनंद की प्राप्ति होती है।

इधर बाबा महाकाल के पहली बार दर्शन करने आए रवि बिश्नोई ने बताया विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के मंदिर और यहां होने वाली भस्म आरती के बारे में सुना तो था, लेकिन आज पहली बार इस आरती में शामिल होने और इसके दिव्य दर्शन करने का मौका मिला। इस दौरान टीम के अन्य खिलाड़ी भी बाबा महाकाल के इन दर्शनों का लाभ लेकर प्रसन्न नजर आए। गौरतलब है कि भारत ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20आई में 6 विकेट से रौंदकर तीन मैच की इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टीम इंडिया ने इससे पहले मेहमानों को मोहाली में इतने ही विकटों से धूल चटाई थी।

भारत-अफगानिस्तान के बीच तीसरे मुकाबले में बारिश बनेगी आफत !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरा टी20 मैच बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 17 जनवरी को खेला जाएगा। भारत ने पहले दोनों मैचों में जीत दर्ज कर 2-0 से सीरीज पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में रोहित शर्मा एंड कंपनी की नजरें सीरीज को क्लीन स्वीप पर होंगे।

भारत ने मोहाली और इंदौर में अफगानिस्तान के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज कर ली है। ऐसे में आगामी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए आखिरी मैच में भारतीय टीम कुछ नया आजमाना चाहेगी। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि बेंगलुरु में मौसम खेल बिगाड़ सकती है।

भारत बनाम अफगानिस्तान मैच के दिन बेंगलुरु में बादल छाए रहने की संभावना जताई जा रही है। 17 जनवरी के दिन मौसम सुहावना रहेगा और ज्यादातर तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार मैच के बीच बारिश का खतरा न के बराबर ही है।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान- इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल, हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब और राशिद खान।

अभी संन्यास नहीं लेना चाहते थे डीन एल्गर, कोच ने भारत के खिलाफ सीरीज से ड्रॉप करने की दी थी धमकी

स्पोर्ट्स डेस्क : साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी डीन एल्गर ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इस बीच एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि एल्गर को जबरन संन्यास लेना पड़ा। उन्हें कोच शुकरी कोनराड की तरफ से मजबूर किया कि वो संन्यास ले लें। भारत के साउथ अफ्रीका दौरे के बाद से ही प्रोटियाज टीम में अंदरूनी कलह हो रही है। केपटाउन में हुए आखिरी टेस्ट महज डेढ़ दिन में ही खत्म हो गया। जिसके बाद साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड को खराब पिच के कारण निशाना भी बनाया गया। इसके बाद ही ये घटना सामने आई है। रैपोर्ट न्यूजपेपर की एक रिपोर्ट के अनुसार शुकरी कोनराड एल्गर को टीम में नहीं रखना चाहते थे। मुकाबले के पहले तक डीन एल्गर की संन्यास लेने की कोई योजना नहीं थी। लेकिन सीरीज से ड्रॉप करने की बात सामने आते ही एल्गर ने संन्यास का ऐलान कर दिया। रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि कोच शुकरी ने एल्गर को बताया कि भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना जाएगा। कोच की इन बातों के बाद से ही एल्गर ने उनके साथ समझौता किया और अपने घरेलू फैंस के सामने आखिरी सीरीज खेलने का फैसला किया। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि न्यूलैंड्स में आखिरी टेस्ट मैच खेलने के बाद टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ी एल्गर के फैसले पर दोबारा विचार करने के बारे में भी जानना चाहते थे। लेकिन एल्गर को लगा कि उनके साथ गलत व्यवहार हो रहा है जिसके चलते उन्होंने अपना फैसला नहीं बदला।

डीपफेक का शिकार बने सचिन तेंदुलकर, फर्जी वीडियो वायरल होने के बाद लोगों को किया सतर्क

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने उस वीडियो को फर्जी बताया है जिसमें उन्हें और उनकी बेटी सारा को एक ऐप इस्तेमाल कर आसानी से पैसा कमाने के लिए कहा गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल वीडियो में पृष्ठभूमि में तेंदुलकर को एक अलग व्यक्ति की आवाज के साथ दिखाया गया है। क्लिप में कहा गया कि तेंदुलकर की बेटी एक खास गेम खेलती है जिससे उन्हें पैसे कमाने में मदद मिलती है। विलप सामने आने के बाद तेंदुलकर ने सफाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट डाला है। महान क्रिकेटर ने कहा कि वह 'टेक्नोलॉजी के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग' को देखकर परेशान थे। उन्होंने 'गलत सूचना और डीपफेक के प्रसार' को रोकने की भी अपील की और लोगों से अधिक सतर्क और सावधान रहने को भी कहा। तेंदुलकर ने कहा, 'ये वीडियो फर्जी हैं। टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग देखना परेशान करने वाला है। सभी से बड़ी संख्या में इस तरह के वीडियो, विज्ञापन और ऐप्स की रिपोर्ट करने का अनुरोध करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को शिकायतों के प्रति सतर्क और प्रतिक्रियाशील रहने की जरूरत है। गलत सूचना और डीपफेक के प्रसार को रोकने के लिए उनकी ओर से उचित कार्रवाई महत्वपूर्ण है।'

कर्नाटक के प्रखर चतुर्वेदी ने रचा इतिहास, घरेलू क्रिकेट में किया ब्रायन लारा जैसा कमाल

नई दिल्ली - कर्नाटक के प्रखर चतुर्वेदी ने कूच बिहार ट्रॉफी के फाइनल में मुंबई के खिलाफ इतिहास रचते हुए नाबाद 404 रन की पारी खेली है। इससे पहले ब्रायन लारा टेस्ट क्रिकेट में 400 रन का आंकड़ा तोड़ने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं और उन्होंने यह काम अपने करियर के आखिरी दौर में किया था। प्रखर ने कर्नाटक के लिए पारी की शुरुआत की और पारी घोषित करने तक नाबाद रहे उन्होंने 638 गेंदों का सामना करते हुए 46 चौके और तीन छक्के लगाए। वह कूच बिहार ट्रॉफी के फाइनल में एक पारी में 400 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उनकी पारी के दम पर कर्नाटक ने अपनी पहली पारी घोषित करने से पहले 223 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 890 रनों का विशाल स्कोर बनाने में कामयाबी हासिल की। दिलचस्प बात यह है कि उसी मैच में भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने भी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों पर 22 रन बनाए। हर्षिल धर्मानी पारी के दूसरे शतकवीर थे, जिन्होंने 228 गेंदों पर 19 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 169 रन बनाए। प्रखर ने दूसरे विकेट के लिए उनके साथ 290 रन जोड़े और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मील का पत्थर के बाद पारी घोषित होने से पहले समर्थ एन के साथ नौवें विकेट के लिए नाबाद 163 रन की साझेदारी भी की। जहां तक मैच की बात है तो टूर्नामेंट का फाइनल केएससीए नेवुले स्टेडियम में खेला गया था। पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला करने के बाद कर्नाटक बैकफुट पर था क्योंकि सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के 145 रनों की मदद से मुंबई ने पहली पारी में 380 रन बनाए। कर्नाटक के लिए समित द्रविड़ ने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी चटकाए। हालांकि जब प्रखर चतुर्वेदी मैदान पर उतरे तो सब कुछ फीका पड़ गया और उन्होंने 404 रन बनाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली।

ओलंपिक क्वालीफायर: इटली पर बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत

रांची (एजेंसी)। पहला मैच गंवाने के बाद दूसरे मैच में जीत दर्ज करके अपना अभियान पटरी पर लाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को यहां इटली की कम रैंकिंग वाली टीम पर बड़ी जीत दर्ज करके एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत की टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे पूल बी के अपने पहले मैच में 12वें रैंकिंग वाले अमेरिका से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने हालांकि अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा।

एशियाई खेलों के जरिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम के पास इस साल होने वाले ओलंपिक खेलों में जगह बनाने का यह आखिरी मौका है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। अमेरिका दो मैच में जीत दर्ज करके पूल बी में शीर्ष पर है जबकि भारत और न्यूजीलैंड के तीन-तीन अंक हैं। गोल अंतर में हालांकि भारतीय टीम

न्यूजीलैंड से पीछे है। ऐसी स्थिति में भारत को विश्व में 20वें नंबर की इटली की टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

दोनों पूल से पहले दो स्थान पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल गुरुवार को खेले जाएंगे। भारतीय टीम ने अगर अमेरिका के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में लचर प्रदर्शन किया तो न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में उसने शानदार खेल दिखाया। टीम अब इटली के खिलाफ अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रक्षा पंक्ति, मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति में शानदार तालमेल दिखाया।

कोच यानेक शोपमैन को उम्मीद रहेगी कि टीम अगले मैच में भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी। भारत की सबसे बड़ी समस्या पेनल्टी कार्नर को गोल में नहीं बदल पाना है। उसने दो मैच में अभी तक 13 पेनल्टी कार्नर हासिल किए हैं लेकिन उनमें से केवल एक बार ही गोल कर पाया। इटली ने अभी तक अपने दोनों मैच गंवाए हैं और वह क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर हो गया है लेकिन उसकी टीम भारत के राह में रोड़ा बन सकती है और इसलिए सविता पूनिया की टीम अपने इस प्रतिद्वंद्वी को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी।

भारतीय कोच शोपमैन ने अपने खिलाड़ियों को इटली से सतर्क रहने की हिदायत देते हुए कहा, 'यह मैच कड़ा हो सकता है क्योंकि इटली की टीम भी अर्जेंटीना की तरह साहसिक खेल खेलती है। हमें धैर्य बनाए रखना होगा। हमें हर हाल में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना होगा।% भारत के लिए यह फायदे की बात है कि उसे अपना मैच अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के बाद खेलना है। इससे उसके सामने तस्वीर स्पष्ट होगी कि उसे कितने अंतर से जीत दर्ज करनी है।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज : गुकेश नें दी चीन के वे यी को मात

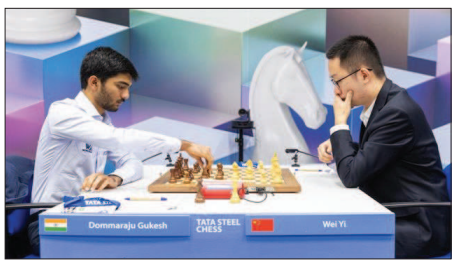

विज्क आन जी , नीदरलैंड । 86वें टाटा स्टील सुपर ग्रांड मास्टर्स शतरंज के दूसरे दिन खेले गए सात मुकाबलों में कुल 3 के परिणाम जीत और हार के तौर पर सामने आए जबकि चार मुकाबले बेनतीजा रहे । दूसरे दिन भी फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें शानदार जीत दर्ज की उन्होने इस मैच में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए बर्लिन डिफेंस ओपनिंग में 43 चालों में खेल अपने नाम किया , अलीरेजा की यह लगातार दूसरी जीत रही और फिलहाल उन्होने एकल बढ़त बना ली है दिन की दूसरी जीत रही भारत के डी गुकेश के नाम जिन्होने चीन के वे यी पर काले मोहरो से इंटेलिअन ओपनिंग में शानदार जीत दर्ज की , गुकेश इस जीत के साथ ही सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है एक और मुकाबले में नीदरलैंड के मैक्स वार्मेर्डन नें हमवतन योर्डन वान फॉरेस्ट को पराजित किया । अन्य चार मुकाबलों में भारत के विदित गुजराती नें नीदरलैंड के अनीश गिरि से , भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से , रूस के यान नेपोमनिशी नें चीन की महिला विश्व शतरंज चैम्पियन जू वेंजून से ,चीन के डिंग लीरेन नें जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर दोनचेंको से बाजी ड्रॉ खेली ।

अश्विन सीमित ओवरों के लिए सही खिलाड़ी नहीं : युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंड युवराज सिंह ने कहा है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन खेल के लंबे प्रारुप के एक अहम खिलाड़ी हैं पर सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए वह ठीक नहीं हैं। युवराज ने कहा कि एकदिवसीय और टी20 टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकती है। युवराज ने कहा, अश्विन एक महान गेंदबाज हैं पर मुझे नहीं लगता कि वह एकदिवसीय और टी20 में जगह बना सकते हैं। वह गेंदबाजी अच्छी करते हैं पर बल्लेबाजी में क्या करते हैं? या एक क्षेत्ररक्षक के तौर पर वह क्या करते हैं? टेस्ट टीम में भले ही उन्हें होना चाहिए लेकिन सफेद गेंद वाले क्रिकेट में जगह के वह अधिकारी नहीं हैं। युवराज ने टी20 में विराट और रोहित के भविष्य पर कहा- कई युवा खिलाड़ी टी20 में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता। अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में होने वाले टी20 विश्वकप में रोहित और विराट के होने से अंतर पड़ेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में रोहित शर्मा कप्तानी कर रहे हैं। वहीं अश्विन ने टी20 विश्व कप के बाद से ही नहीं खेला है। अभी वह योजनाओं में भी शामिल नहीं दिख रहे हैं।

विराट कोहली को गले लगाना पड़ा महंगा, पुलिस ले गई पकड़कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को गले लगाने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 मुकाबले के दौरान एक शख्स विराट कोहली से मिलने गया और विराट को गले लगा लिया। हालांकि विराट ने 14 महीने के बाद इस फॉर्मेट में वापसी की। इस मैच के दौरान एक फैन उनसे मिलने सुरक्षा घेरा तोड़कर जा पहुंचा, जिस बाद में पुलिस ने पकड़कर थाने पहुंचा दिया। मिली जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज पर भारत ने कब्जा जमा लिया है। 3 मैचों की सीरीज के लगातार दो मुकाबले जीतकर टीम इंडिया ने यह कामयाबी हासिल की। इंदौर में खेले गए दूसरे मुकाबले में मेहमान टीम ने 172 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे की तूफानी फिफ्टी के दम पर भारतीय टीम ने आसान जीत दर्ज की। दोनों ही टी20 मुकाबले में टीम इंडिया ने 6 विकेट की एकतरफा जीत हासिल की। 429 दिनों के बाद टी20 इंटरनेशनल में वापसी करने वाले विराट कोहली ने मैच में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया। टी20 विश्व कप से पहले वापसी के बाद ऐसी पारी से उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद और बढ़ी है।

इस मैच में बल्लेबाजी पर आने से पहले विराट कोहली से साथ कुछ ऐसा हुआ जो कई बार देखा गया है। मैच के दौरान एक शख्स उनके पास पहुंचा और पैर छूने के बाद गले से लगाया। विराट कोहली जब अफगानिस्तान की बल्लेबाजी के दौरान 18वें ओवर में बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे थे तभी एक फैन सुरक्षा घेरा को तोड़ते हुए उनके पास पहुंच गया। शख्स दौड़ लगाते हुए विराट कोहली के पास पहुंचा। सबसे पहले तो उसने झुककर अपने स्टार के पैर छुए और फिर उनको सीने से लगाकर लिपट गया। कुछ देर हग करने में वह कामयाब रहा और इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने वहां आकर उनको पकड़ा। इस घटना के बाद शख्स को पुलिस पकड़कर थाने ले गई।

ग्रैंडस्लैम मैच के दौरान प्रिजमिच पड़े भारी, फिर भी जोकोविच ने दी मात

मेलबर्न । क्रोएशियाई क्वालीफायर डिनो प्रिजमिच से मिली चुनौती को पस्त करते हुए रविवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चार घंटे तक चले पहले दौर के मुकाबले में गत चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने 6-2, 6-7 (5), 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। हालां?कि प्रिजमिच कभी भी ग्रैंडस्लैम का मैच नहीं खेले थे और उनका जन्म जोकोविच के 2005 में ग्रैंडस्लैम पदार्पण करने के सात महीने बाद हुआ था। पर उन्होंने 24 बार के मेजर विजेता को तब जमकर परेशान किया। मेलबर्न पार्क में 2005 में ग्रैंडस्लैम पदार्पण करने वाले जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई ओपन में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है जिसकी बराबरी शायद ही कोई अन्य खिलाड़ी कर सकेगा। वह यहां 10 खिताब अपने नाम कर चुके हैं। पहला सेट उम्मीद के अनुरूप हुआ लेकिन दूसरे सेट में प्रिजमिच ने बराबरी हासिल की और फिर तीसरे को ब्रेक तक ले गए जिससे दर्शकों को काफी हैरानी हुई थी। लेकिन फिर दुनिया के नंबर एक रैंकिंग के खिलाड़ी ने वापसी कर सेट जीत लिया। इधर प्रिजमिच ने चौथे सेट में भी हार नहीं मानी जब वह 0-4 से पिछड़ रहे थे। उन्होंने तीन मैच प्वाइंट बचाकर स्कोर 5-3 कर दिया। अंत में जोकोविच ने चार घंटे एक मिनट तक चले मुकाबले को समाप्त किया। इस पर जोकोविच ने कहा ?कि वह प्रशंसा का पात्र है, आज रात श्रेय उसे जाता है। 18 साल के खिलाड़ी के लिए यह शानदार प्रदर्शन है जिसे बड़े मंच पर खेलने का कोई अनुभव नहीं हो।

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने अठवालाइन्स के अनुरोध पर 'स्वच्छता अभियान' के तहत महादेव मंदिर परिसर की सफाई की

सूरत। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व के संबंध में 14 से 22 जनवरी-2024 तक देशभर के सभी छोटे-बड़े धार्मिक स्थलों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया है। जिसके तहत गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने अठवालाइन्स स्थित इच्छानाथ महादेव मंदिर और उसके परिसर की सफाई की. उन्होंने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और राज्य के नागरिकों की सुख, शांति और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर गृह मंत्री ने नागरिकों से प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किये गये स्वच्छता अभियान को व्यापक बनाने के लिए मंदिरों और आसपास के स्थानों में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की. स्वच्छ शहर के रूप में जाने जाने वाले सूरत की सुंदरता को बनाए रखने के लिए दर्शन ने सभी भक्तों से अनुरोध किया कि वे कहीं भी गंदगी न फैलाएं और कूड़ेदान का उपयोग बढ़ाकर स्वच्छता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि चल रहे सर्वव्यापी सफाई अभियान से लोग रोजाना साफ-सफाई पर जोर देंगे, जो उनके और उनके परिवार के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होगा. उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वच्छता आध्यात्मिक यात्रा का अभिन्न अंग है, इससे ध्यान, प्रार्थना और सत्संग के लिए तीर्थ स्थानों पर आने वाले लोगों पर लाभकारी प्रभाव पड़ेगा। इसलिए मंत्री ने सभी नागरिकों से धार्मिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रतिबद्ध होने का पुरजोर अनुरोध किया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर और नेता मौजूद रहे।

सुरत भुमि, सूरत। मकर संक्रांति के अवसर पर शहर में विभिन्न इलाक़ों में पतंगबाज़ी की गई। वेसू स्थित नंदिनी-1 बिल्डिंग में महिलाओं ने भी जमकर पतंगबाज़ी का लुफ्त उठाया।

भारतीय संस्कृति की झलक हैं "रामजी की सवारी"

संजीवकुमार ऑडिटोरियम में 'मानव-कलरव' द्वारा "रामजी की निकली सवारी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सूरत। शहर की 'मानव-कलरव' संस्था के अध्यक्ष डॉ. विनोद सी. शाह और डॉ. नितिन गर्ग ने एक पत्रकार परिषद में कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्रतिष्ठा होने जा रहा है. 500 साल के संघर्ष के बाद होने वाली इस ऐतिहासिक घटना का गवाह बनने के लिए हर कोई उत्सुक है। इसी के तहत शहर के संस्कृतिप्रेमी डॉक्टरों की संस्था 'मानव-कलरव' की ओर से 16 जनवरी, मंगलवार को रात 9 से 12 बजे तक संजीवकुमार ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बॉलीवुड गानों की मदद से भारतीय संस्कृति, भारत की परंपराएं, यहां के लोगों की विशेषताएं, विभिन्न राज्यों के त्योहार और भगवान श्री रामचन्द्रजी की जीवनी और इतिहास के बारे में बताया जाएगा।

मंगलवार, 16-01-2024 को डॉ. रईश मनियार के बैंड के साथ 'कलरव' के सदस्य "रामजी की निकली सवारी" के माध्यम से अयोध्या राम मंदिर के उत्साह में योगदान देंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अंत में दोपहर 12:00 बजे डॉक्टर एसोसिएशन के 1125 सदस्य श्री रामजी की महाआरती में भाग लेंगे और एक नया इतिहास रचेंगे।

इसके अलावा इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को श्री रामजी की एक तस्वीर, श्री राम दरबार की एक तस्वीर और प्रसाद देने की भी योजना है. इस कार्यक्रम को सदस्यों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस प्रकार, यह कार्यक्रम अपने आप में एक उत्सव होगा, जो देशभक्ति के गीतों, लोकगीतों, लोकगीतों और विभिन्न त्योहारों से सुसज्जित होगा, जो भारत की विविधता में एकता और संस्कृति को प्रदर्शित करेगा।

डॉ. विनोद सी. शाह, डॉ. नितिन गर्ग, डॉ. जगदीश जरीवाला, अमिता शाह, डॉ. मिताली गर्ग, डॉ. प्रशांत देसाई, डॉ. जयेंद्र कपाड़िया, डॉ. डॉ. विनोद सी. शाह, डॉ. नितिन गर्ग, डॉ. जगदीश जरीवाला, अमिता शाह, डॉ. मिताली गर्ग, डॉ. जयेंद्र कपाड़िया, डॉ. सलाहकार के रूप में दीपक तोरावाला, डॉ. हितेंद्र मोदी, डॉ. दीपक पटेल, डॉ. दीप्ति पटेल, योगेश पारेख और डॉ. मुकुल चौकसी और डॉ. दक्षेश ठाकर प्रयास कर रहे हैं।

सबसे उन्नत कॉम्पैक्ट एसयूवी: किआ ने एडैस वाली नई सॉनेट को 7.99 लाख रुपये की विशेष शुरुआती कीमत पर पेश किया

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी प्रीमियम कार निर्माता, किआ ने अपनी सबसे प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी - नई सॉनेट को देश भर में 7.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होने वाली विशेष प्रारंभिक कीमत पर पेश किया है। दिसंबर 2023 में पेश किए गए, किआ के दूसरे सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन के इस नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं, जिसमें 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं वाला उत्कृष्ट एडैस और मजबूत 15 हाई-सेफ्टी विशेषताएं शामिल हैं। इस वाहन में 70 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं हैं, जैसे कि 'फाइंड माइ कार विद एसवीएम', जो सॉनेट को सबसे आरामदायक ड्राइव बनाने के लिए कार के आसपास का दृश्य प्रदान करता है और हिंग्लिश कमांड देता है। नई सॉनेट 19 अलग-अलग वेरिएंट में अपनी उपलब्धता के साथ विविध प्रकार के ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है, जिसमें 9.79 लाख रुपये से शुरू होने वाले 5 डीज़ल मैनुअल वेरिएंट भी शामिल हैं। 10 ऑटोनॉमस फंक्शंस की विशेषता वाला सेगमेंट का बेस्ट एडैस लेवल 1, डीज़ल और पेट्रोल दोनों इंजन्स के लिए टॉप-ऑफ़-द-लाइन वेरिएंट में उपलब्ध है। पेट्रोल में जीटी लाइन और एक्स-लाइन वेरिएंट की कीमत क्रमश: 14.50 और 14.69 लाख रुपये, और डीज़ल की कीमत 15.50 और 15.69 लाख रुपये है।

नई मस्कुलर और स्पोर्टियर सॉनेट एक अपराइट बॉडी स्टाइल के साथ सड़क पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति बरकरार रखती है। फ्रंट कोलिजन-अवॉइडेंस असिस्ट (FCA), लीडिंग व्हीकल डिपार्चर अलर्ट (LVD), और लेन फॉलोइंग असिस्ट (LFA) जैसी 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं से भरपूर, इस लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का यह नवीनतम संस्करण आधुनिक भारतीय ग्राहकों के व्यक्तित्व से गहराई से मेल खाता है। सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव देने के लिए, इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC), और व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट (VSM) सहित, सभी वेरिएंट में मजबूत 15 हाई-सेफ्टी फीचर मानक तौर पर दिए गए हैं। सॉनेट में इस पेशकश के साथ, किआ ने अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 6 एयरबैग मानक बना दिए हैं।

इसके अलावा, सॉनेट में 10 बेस्ट-इन-सेगमेंट सुविधाएं दी गई हैं, जिनमें डुअल स्क्रीन कनेक्टेड पैनल डिज़ाइन, रियर डोर सनशेड कर्टेन, और सुरक्षा के साथ ऑल डोर पावर विंडो वन-टच ऑटो अप/डाउन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। निकटतम प्रतिस्पर्धियों की तुलना में, नई सॉनेट में कम से कम 11 फायदेमंद सुविधाएं हैं और यह तकनीकी रूप से सबसे उन्नत और सुविधा से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी है। नई सॉनेट में अब एक नई ग्रिल और नए बम्पर डिज़ाइन, क्राउन ज्वेल एलईडी हेडलैंप के साथ एक उन्नत फ्रंट फेस, आर16 क्रिस्टल कट अलॉय व्हील और स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप दिए गए हैं। नए सॉनेट के लॉन्च/कीमत की घोषणा करते हुए, किआ इंडिया के चीफ सेल्स और बिज़नेस स्ट्रेटेजी ऑफिसर, श्री म्युंग-सिक सोन ने कहा, "हम नई सॉनेट को पेश करके कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट को पुन: प्रीमियम बना रहे हैं। पुरानी सॉनेट ने अपने असाधारण डिज़ाइन और तकनीकी कौशल के साथ इस सेगमेंट का विस्तार किया था, और नई सॉनेट के साथ, हम इस सेगमेंट में अपने नेतृत्व को बहुत ऊपर ले जा रहे हैं। हम कम रखरखाव के समर्थन से पर्याप्त किफायती प्रस्ताव और सबसे उन्नत एडैस तकनीक के साथ शीर्ष स्तरीय सुरक्षा प्रस्ताव को जोड़ रहे हैं।"

सूरत जिला प्रशासन आदिवासी समुदाय के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है

सूरत। आदिवासियों की गतिविधि और प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, गुजरात ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए च्जहां नागरिक, वहां सुविधाज्ञ के मंत्र को अपनाया है। राज्य के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं राज्य सरकार द्वारा शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक के लोगों के लिए योजनाएं लागू की गई हैं। पिछले दो दशकों में कोल्डा, कथोड़ी, कोटवालीया, पाढर और सिद्दी जैसी आदिवासी जनजातियों का 360 डिग्री विकास महसूस किया जा सकता है।

महुवा तालुक के रानत गांव के लाभार्थी सरमुखभाई कोल्डा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह परिवार की जीविका चलाने के लिए खेत में मजदूरी कर रहे हैं। आदिम समूह के लिए सरकार की कई योजनाओं के तहत किशन सम्मान निधि योजना, घर आंगने नल से जल योजना के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। अंत्योदय अन्न योजना के तहत हर माह राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही शहर से गांव तक आने-जाने के लिए पक्की सड़कें बनाई गई हैं। बिजली उपलब्ध है और आयुष्मान भारत योजना हमारे परिवार को आने वाली किसी भी आपदा के खिलाफ आर्थिक रूप से मदद करेगी। सरमुखभाई कोल्डा ने सरकार की स्वास्थ्य उन्मुख योजना के माध्यम से लाखों लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि पीएम जन-मन अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाकर एक ही स्थान पर टीबी स्क्रीनिंग, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग, ब्लड स्क्रीनिंग जैसी सेवाएं प्राप्त की गई हैं।

गुजरात में आदिवासियों के समग्र आर्थिक उत्थान के लिए आदिवासी विकास विभाग द्वारा 13 से अधिक विभिन्न योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल के नेतृत्व में पूरा क्षेत्र पानी, सिंचाई, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी एवं ढांचागत सुविधाओं के साथ विकास की नई ऊंचाई हासिल कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य आदिमजुथ के परिवारों को मूलभूत एवं मूलभूत सुविधाओं सहित कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित कर समाज की मुख्य धारा में स्थापित करना है।

आरटीओ-सूरत ने राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत मोटर चालकों को पतंग की डोर से बचाने के लिए 22,000 गर्दन सुरक्षा बेल्ट नि:शुल्क वितरित किए

सूरत। सूरत आरटीओ और डिस्ट्रिक्ट ट्रैफिक एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी (DTEWS) ने 6 से 15 जनवरी तक राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत मोटर चालकों को पतंग की डोर से बचाने के लिए एक अभियान का आयोजन किया। इस बीच, सूरत के विभिन्न इलाकों में कुल 22,000 गर्दन सुरक्षा बेल्ट मुफ्त वितरित किए गए। आरटीओ कार्यालय के श्री एआईएमवी, पुलिस विभाग के निरीक्षकों, कर्मचारियों, सामाजिक नेताओं के सहयोग से सड़क सुरक्षा बेल्ट का वितरण किया गया।

सूरत आरटीओ कार्यालय के सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी केबी पटेल, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, कलरटेक्स-पांडेसरा के सचिव और वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, द सोसाइटी ऑफ फिजिकल हैंडीकैप, पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेशभाई शाह और आनंदभाई शाह और जिला यातायात के अध्यक्ष ब्रिजेश वर्मा। शिक्षा एवं कल्याण सोसा., विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, दुर्घटना निवारण केंद्र, सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के राजूभाई ठक्कर और बेला सोनी। विभिन्न पोस्ट स्टेशनों और यातायात विभाग के साथ-साथ DTEWS समिति और RTO टीम के सदस्यों ने अभियान में अधिक से अधिक लोगों को गर्दन सुरक्षा बेल्ट का उपयोग करने के लिए जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत की।

नायका नेचुरल्स ने नई रोज़मेरी और नियासिनामाइड, सल्फेट-मुक्त हेयरकेयर रेंज के साथ एक प्राकृतिक सिम्फनी का अनावरण किया

सूरत । अपने शक्तिशाली प्राकृतिक अवयवों के लिए जाने जाने वाले नवीन सौंदर्य समाधानों में अग्रणी नायका नेचुरल्स ने रोज़मेरी और प्राकृतिक रूप से प्राप्त नियासिनमाइड की गतिशील जोड़ी की विशेषता वाली अपनी नवीनतम हेयरकेयर रेंज के लॉन्च की घोषणा की है। यह पावर-पैक संयोजन आपके बालों की देखभाल की दिनचर्या को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्वस्थ, सुस्वादु और घने बालों के लिए प्राकृतिक उत्कृष्टता और प्राकृतिक रूप से प्राप्त अत्याधुनिक विज्ञान का मिश्रण पेश करता है। नायका नेचुरल्स रोज़मेरी और प्राकृतिक रूप से प्राप्त नियासिनमाइड रेंज में एक शैम्पू, हेयर मास्क शामिल है, जिसका लक्ष्य बालों की चिंताओं को व्यापक रूप से संबोधित करना है। यह रेंज विशेष रूप से अपने प्रमुख अवयवों, रोज़मेरी और प्राकृतिक रूप से प्राप्त नियासिनमाइड के माध्यम से सेलुलर टर्नओवर और रक्त परिसंचरण को बढ़ाकर उन्नत बाल विकास को लक्षित करती है। रोम छिद्रों में पोषक तत्वों का संचार, विशेष रूप से मेंहदी में मौजूद कार्सोनिक एसिड घने और मोटे बालों को बढ़ावा देने में योगदान देता है। खुजली वाली और सूखी खोपड़ी को अलविदा कहें क्योंकि रोज़मेरी के एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी गुण अपना जादू चलाते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक रूप से प्राप्त नियासिनमाइड, जब रोज़मेरी के साथ मिलाया जाता है, तो बालों के प्राकृतिक केराटिन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जिससे बालों के विकास की समग्र प्रक्रिया में और वृद्धि होती है। एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों के रोमों में पर्याप्त ऑक्सीजन प्रवाह जोड़ते हैं, जड़ों को मजबूत करते हैं और बालों के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। नायका ब्रांड्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष विशाल गुप्ता कहते हैं, जैसे-जैसे सौंदर्य और बाल श्रेणी विकसित हो रही है, हम बालों की देखभाल में कुछ प्रमुख सामग्रियों के रूप में रोज़मेरी की बढ़ती लोकप्रियता और नियासिनमाइड के लाभों को पहचानते हैं। नायका नेचुरल्स में, हमने हमेशा अपने उपभोक्ताओं को ऑन-ट्रेंड और प्रभावी उत्पाद प्रदान करने में आगे रहने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो शीर्ष पायदान के फॉर्मूलेशन के साथ आगे बढ़ते हैं। यह नया लॉन्च सिर्फ एक रेंज नहीं है; यह आपके बालों के पोषण और सुंदरता को बढ़ाने का एक समग्र दृष्टिकोण है।

गहराई से सफाई और पोषण - नायका नेचुरल्स रोज़मेरी और नियासिनामाइड सल्फेट मुक्त शैम्पू - बालों को मजबूत करता है और बालों के विकास को प्रोत्साहित करता है, साथ ही खोपड़ी को पोषण देता है और बालों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करता है। इसका मूल्य 399 रुपए।

नायका नेचुरल्स रोज़मेरी और नियासिनामाइड सल्फेट फ्री हेयर मास्क जो संतुलित जलयोजन प्रदान करता है, बालों के लिए सूखापन और अतिरिक्त तेल उत्पादन दोनों को संबोधित करता है जो बिना वजन कम किए वास्तव में पोषित महसूस करता है। इसका मूल्य 599 रुपए।

नायका नेचुरल्स शक्तिशाली वैज्ञानिक अवयवों के साथ 100 प्रतिशत प्राकृतिक एक्टिव के संयोजन से तैयार किए गए प्राकृतिक हेयरकेयर उत्पादों को वितरित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो प्राकृतिक विटामिन सी, शाकाहारी कोलेजन और मटर पेप्टाइड्स जैसे प्राकृतिक रूप से प्राप्त होते हैं। यह सुरक्षा से समझौता किए बिना सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित करता है, जो ब्रांड के इस विश्वास को मूर्त रूप देता है कि प्रकृति विज्ञान को अपनाती है। नायका नेचुरल्स रोज़मेरी और नैचुरली डिराइव्ड नियासिनामाइड रेंज सल्फेट मुक्त, पैराबेन मुक्त, क्रूरता मुक्त और खनिज तेल मुक्त है। यह रेंज नायका डॉट कॉम और नायकामेन डॉट कॉम पर उपलब्ध है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)